26 जनवरी 1950 को स्थापित/संस्थापक बाबूसिंह चौहान

चिंगारी

बिजनौर : शनिवार , 18 जुलाई, 2026
अंक- 264 मूल्य दो रुपये पृष्ठ 10
www.dainikchingari.com

केवल शब्दों को पढ़ने का नहीं, उन्हें आत्मसात करने का भी काम किया जाए- महाना

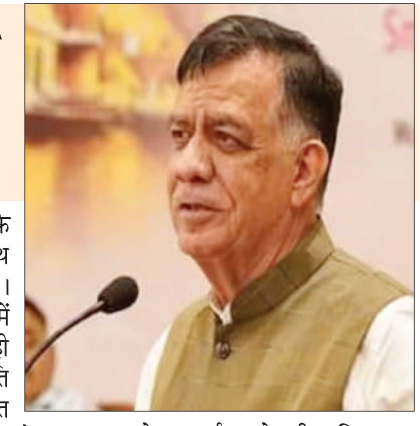

लखनऊ (चिंगारी)। उत्तर प्रदेश विधान सभा के अध्यक्ष सतीश महाना के सन्दर्भ पुस्तकालय में गायत्री ज्ञान मंदिर, इंदिरा नगर, लखनऊ के विचार क्रान्ति ज्ञान यज्ञ अभियान के अन्तर्गत गायत्री परिवार के संस्थापक युगऋषि पं. श्रीराम शर्मा आचार्य द्वारा रचित सम्पूर्ण 79 खण्डों के 467वें युगऋषि वाड्मय की स्थापना की गई। इस अवसर पर विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि ऋषि का सद्साहित्य समाज के मार्गदर्शन के लिए है। ऐसे साहित्य से व्यक्ति को जीवन में सकारात्मक दिशा, संस्कार और सत्कर्म की प्रेरणा मिलती है। केवल शब्दों को पढ़ने का नहीं, बल्कि उन्हें अपने जीवन में आत्मसात करने का भी प्रयास किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ज्ञान और सद्विचारों पर आधारित साहित्य व्यक्ति के चरित्र निर्माण के साथ-साथ समाज को भी नई दिशा प्रदान करता है। युगऋषि वाड्मय में जीवन के प्रत्येक क्षेत्र से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों का समावेश है, जो समाज के लिए प्रेरणादायी है। युगऋषि वाड्मय की स्थापना शशि गंगवार एवं देवेंद्र सिंह गंगवार द्वारा अपने बच्चों चारु सिंह, स्वास्तिक सिंह एवं विभव सिंह के उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ जन्मदिन के अवसर पर समर्पित की गई। इस अवसर पर सन्दर्भ पुस्तकालय में युगऋषि वाड्मय साहित्य के साथ ही विधान सभा अध्यक्ष को अखण्ड ज्योति पत्रिका भेंट की गई। कार्यक्रम में उपस्थित महानुभावों एवं विधान सभा कार्यालय के कर्मचारियों को भी अखण्ड ज्योति (हिन्दी) पत्रिका प्रदान की गई। वाड्मय स्थापना अभियान के मुख्य संयोजक उमाशंकर शर्मा ने कहा कि ऋषि का सद्ज्ञान मनुष्य को सत्कर्म करने की शक्ति प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि युगऋषि वाड्मय समाज को नैतिक मूल्यों, ज्ञान, संस्कार और सकारात्मक चिंतन की दिशा प्रदान करने वाला अमूल्य साहित्य है।

लाइलाज कुपोषण और प्रशासनिक सक्रियता

भली लगे या बुरी...

हमारे समय की कड़ुवी सच्चाई यह है कि वर्तमान प्रगति के बावजूद हमारी भूलभूत समस्याएं जस की तस है। दुनिया में एक तरफ भुखमरी बढ़ रही है, तो दूसरी ओर भोजन की बर्बादी। खाद्य एवं कृषि संगठन के आंकड़े बताते हैं कि विश्व में हर साल लगभग 1.5 बिलियन टन भोजन की किसी न किसी कारण बर्बादी होती है। यह मात्रा मानव उपयोग के लिए तैयार किए गए कुल भोजन की लगभग एक तिहाई है। अकेले अमेरिका में हर साल लगभग 30 फीसद भोजन कूड़ेदान के हवाले कर दिया जाता है। दूसरी ओर, दुनिया के सात लोगों में से एक को हर रोज भूखे पेट सोना पड़ता है और पांच साल से छोटे लगभग 20 हजार बच्चे हर रोज भूख के कारण दम तोड़ देते हैं। दुनिया के 870 मिलियन लोग कुपोषण का शिकार हैं। यह हाल तब है, जब विश्व में खाद्य उत्पादन मानवता के इतिहास में सबसे ऊंचे स्तर पर है। भूख के मौजूदा विश्वव्यापी प्रकोप में भोजन की बर्बादी का भी बड़ा हाथ है। यदि इस पर समय रहते अंकुश नहीं लगाया गया तो 2050 में धरती की नौ अरब आबादी को भोजन और पोषण मुहैया कराना लगभग नामुमकिन हो जाएगा। भारत की बात करें तो कुल खाद्य उत्पादन का लगभग 40 फीसद हिस्सा अनेक कारणों से व्यर्थ चला जाता है। इस बर्बादी की कीमत 50 से 55 हजार करोड़ रुपए बताई जाती है। विवाह और अन्य सामाजिक उत्सवों के दौरान तैयार किए गए भोजन का लगभग 20 फीसद भाग कूड़े में फेंक दिया जाता है। इसके साथ ही खाद्य पदार्थों की बढ़ती महंगाई के कारण वंचित समुदाय की भोजन तक पहुंच दिनोंदिन मुश्किल होती जा रही है। कुछ विशेषज्ञों का यह भी मानना है कि खाद्य सामग्री की बाजार कीमतों में बढ़ोतरी की एक वजह भोजन की बर्बादी भी है। लेकिन विकसित और भारत जैसे विकासशील देशों में भोजन की बर्बादी अलग-अलग कारणों से है। विकसित देशों में खाद्य सामग्री के उत्पादन, भंडारण और परिवहन के दौरान उन्नत वैज्ञानिक सुविधाओं का इस्तेमाल किया जाता है, जिससे नुकसान न के बराबर होता है। लेकिन आर्थिक संपन्नता के कारण वहां के लोग भोजन की जरूरत से ज्यादा खरीद करते हैं। अतः बचा हुआ भोजन अक्सर कूड़ेदान में समा जाता है। गुणवत्ता में जरा भी कमी-बेशी होने पर खाद्य सामग्री को व्यर्थ मानते हुए फेंक दिया जाता है। अमेरिका में चार सदस्यों का एक औसत परिवार हर महीने लगभग पांच किलोग्राम खाद्य सामग्री कूड़े में फेंक देता है, जिसकी औसतन कीमत दो हजार डॉलर होती है। इसके अलावा रेस्तरां, मॉल्स और सुपरमार्केट में भी भोजन और खाद्य सामग्री की बर्बादी आम है।

विकासशील देशों में अनाज का भंडारण और परिवहन एक कठिन चुनौती तथा समस्या है। भारत में खाद्यान्न उत्पादन 251 मिलियन टन के रिकॉर्ड स्तर पर है, लेकिन भंडारण की पर्याप्त व्यवस्था न होने से अनाज की बर्बादी अक्सर मीडिया की सुर्खियां बनती है। इसी तरह, 'कूल-चेन' परिवहन की पर्याप्त व्यवस्था न होने के कारण फलों और सब्जियों की भारी मात्रा हर रोज बर्बाद होती है। ताजा अध्ययन बताते हैं कि भोजन और खाद्य सामग्री की बर्बादी का सीधा मतलब बहुमूल्य प्राकृतिक संसाधनों को व्यर्थ करना है। दरअसल, कृषि प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग करने वाली सबसे प्रमुख मानवीय गतिविधि है। लगभग 25 फीसद भूमि का उपयोग खाद्य सामग्री के उत्पादन के लिए किया जाता है, जिसमें 70 फीसद मीठे पानी की खपत होती है। कृषि को धरती के जलवायु परिवर्तन के लिए भी कुछ हद तक दोषी बताया जाता है, क्योंकि इससे प्रमुख ग्रीनहाउस गैस मीथेन के उत्सर्जन को बढ़ावा मिलता है। पानी की प्रति व्यक्ति उपलब्धता भी लगातार घट रही है। बढ़ती आबादी और औद्योगीकरण के कारण कृषि के लिए पानी जुटाना लगातार कठिन होता जा रहा है। इसीलिए आजकल भोजन और खाद्य सामग्री को उसके उत्पादन में खपने वाले कुल पानी के नजरिए से देखा-परखा जा रहा है। इसे उस उत्पाद की 'वर्चुअल वाटर' यानी आभासी जल खपत कहा जाता है। मसलन एक किलो गेहूं के उत्पादन में 1400 लीटर, चावल में 2850 लीटर, आलू में 1000 लीटर और सेब में 700 लीटर पानी की खपत होती है। देखा गया है कि मांसाहारी खाद्य सामग्री पानी की ज्यादा खपत करती है। जैसे एक किलोग्राम बकरी के मांस और 'चिकन' के उत्पादन पर क्रमशः 4000 और 4600 लीटर पानी खर्च होता है। अब जरा सोचिए कि अगर हम इन खाद्य सामाग्रियों की थोड़ी मात्रा की भी बर्बादी करते हैं, तो पानी की कितनी बड़ी मात्रा व्यर्थ चली जाती है। इसीलिए आजकल जब कृषि वैज्ञानिक फसलों की नई किस्में विकसित करते हैं तो उसमें पानी की बचत करने का भी प्रयास किया जाता है। पानी के अलावा महंगे रासायनिक उर्वरक और कीटनाशक भी भोजन की बर्बादी के साथ व्यर्थ चले जाते हैं। इस तरह एक तो किसान का धन बर्बाद होता है और दूसरे उत्पादन लागत बढ़ने से खाद्य सामग्री की कीमत बढ़ जाती है। कीमत में इजाफे का मतलब है, आर्थिक रूप से कमजोर समुदाय से भोजन को दूर करना। खेती और खाद्य उत्पादन से जुड़ा एक अहम मसला ऊर्जा का भी है। फसलों की सिंचाई के लिए पानी का बंदोबस्त हो या कृषि मशीनों का इस्तेमाल, बिजली या डीजल के रूप में ऊर्जा का प्रचुर उपयोग होता है। साथ ही परिवहन और भंडारण में भी भारी मात्रा में ऊर्जा खर्च होती है। विश्व स्तर पर देखा गया है कि कृषि और भोजन प्रणालियों पर लगभग 30फीसद उपलब्ध ऊर्जा खर्च हो जाती है। इस ऊर्जा उपयोग से उत्पन्न होने वाले प्रदूषण पर भी नजर रखने की जरूरत है। परंतु इन सबसे बढ़ कर है मानव श्रम और किसान का पसीना। खासतौर से भारत में किसान की मेहनत को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इन सारे बहुमूल्य निवेशों के बाद उपजा अन्न हम सबसे एक सम्मान की अपेक्षा रखता है। सवाल उठता है कि भोजन की बर्बादी पर रोक कैसे लगाई जाए? कुछ देशों ने इस पर रोक लगाने के लिए कानून बनाए हैं, लेकिन इन्हें लागू करना कठिन साबित हो रहा है। जब भी कहीं खाद्य सामग्री की बर्बादी दिखाई दे तो हमें यह सोचना होगा कि इससे कितने भूखों को भोजन उपलब्ध कराया जा सकता है और यह भी कि भोजन की इस बर्बादी से पानी समेत कितने प्राकृतिक संसाधनों का अपव्यय हो रहा है। यदि यह सोच विकसित हो जाती है तो भोजन की बर्बादी पर रोक लगेगी, जिससे पर्यावरण की सुरक्षा को बढ़ावा मिलेगा और सबसे बड़ी बात यह कि इस तरह भोजन के वितरण में समाई विडंबनाएं भी कम होंगी। सारे सवाल सद्इच्छा सक्रियता और सामाजिक सरोकारों के है और इस कसौटी पर हमें ही खरा उतरना है।

सामयिकी

महंगाई, दोहरी आय और बदलता परिवार

– डॉ. प्रियंका सौरभ

आज के समय में यदि किसी मध्यमवर्गीय परिवार से पूछा जाए कि उसकी सबसे बड़ी चिंता क्या है, तो उत्तर लगभग एक जैसा होगा—बच्चों की महंगी शिक्षा, घर का सपना, स्वास्थ्य सेवाओं का बढ़ता खर्च और रोजमर्रा की बढ़ती महंगाई। एक साधारण नौकरीपेशा व्यक्ति वर्षों की बचत के बाद भी अपना घर नहीं खरीद पा रहा। निजी विद्यालयों की फीस इतनी अधिक हो चुकी है कि बच्चों की शिक्षा परिवार के बजट का सबसे बड़ा हिस्सा बन गई है। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि आखिर ऐसा क्यों हुआ?

हाल के वर्षों में एक विचार तेजी से चर्चा में आया है कि इन समस्याओं का प्रमुख कारण महिलाओं का बड़ी संख्या में कार्यक्षेत्र में आना है। तर्क दिया जाता है कि जब पति और पत्नी दोनों कमाने लगे तो परिवारों की कुल आय बढ़ गई। बाजार ने इसे अवसर मान लिया और मकानों, स्कूलों तथा अन्य आवश्यक सेवाओं के दाम बढ़ा दिए। इस विचार के समर्थक यह भी कहते हैं कि महिलाओं के घर से बाहर निकलने से परिवार कमजोर हुए, बच्चों का पालन-पोषण प्रभावित हुआ और समाज में अस्थिरता बढ़ी। यह तर्क पहली नजर में कुछ लोगों को आकर्षक लग सकता है, क्योंकि वास्तव में आज अधिकांश शहरी परिवारों में एक आय से घर चलाना कठिन होता जा रहा है। किंतु किसी भी सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन का विश्लेषण केवल एक कारण के आधार पर नहीं किया जा सकता। समाज, अर्थव्यवस्था और परिवार कई परस्पर जुड़े कारकों से प्रभावित होते हैं। इसलिए आवश्यक है कि इस बहस को भावनाओं से नहीं, तथ्यों और संतुलित दृष्टिकोण से देखा जाए। सबसे पहले यह समझना होगा कि भारत सहित दुनिया के अधिकांश देशों में मकानों की कीमतें केवल परिवारों की आय बढ़ने से नहीं बढ़ीं। शहरीकरण, सीमित भूमि, बढ़ती आबादी, निवेश के रूप में रियल एस्टेट की लोकप्रियता, सरकारी नीतियां, निर्माण लागत, भूमि अधिग्रहण की जटिलताएं और आसान ऋण व्यवस्था जैसे अनेक कारणों ने संपत्ति की कीमतों को प्रभावित किया। यदि केवल महिलाओं के रोजगार से ही मकान महंगे हुए होते, तो जिन देशों में महिलाओं की श्रम भागीदारी अधिक है वहां आवास हमेशा सबसे महंगा होना चाहिए था, जबकि वास्तविकता इससे कहीं अधिक जटिल है।

इसी प्रकार शिक्षा की बढ़ती लागत का संबंध भी अनेक कारणों से है। निजी शिक्षा का विस्तार, आधुनिक सुविधाओं की प्रतिस्पर्धा, अंग्रेजी माध्यम का आकर्षण, तकनीकी संसाधनों पर बढ़ता खर्च, शिक्षकों के वेतन, परिवहन, भवन निर्माण और शिक्षा के व्यवसायीकरण ने फीस बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह कहना कि केवल इसलिए स्कूलों की फीस बढ़ी क्योंकि महिलाएं नौकरी करने लगीं, आर्थिक वास्तविकताओं का अत्यधिक सरलीकरण होगा।

फिर भी इस विचार के पीछे एक महत्वपूर्ण चिंता अवश्य छिपी हुई है। वह चिंता है परिवार की बदलती संरचना और जीवन की गुणवत्ता। यह सत्य है कि पहले संयुक्त परिवारों में बच्चों की देखभाल, बुजुर्गों की सेवा और घरेलू जिम्मेदारियां साझा होती थीं।

आज छोटे परिवारों में पति-पत्नी दोनों के कार्यरत होने पर समय का अभाव महसूस होता है। बच्चों के साथ बिताया जाने वाला समय कम हुआ है। तनाव, मानसिक दबाव और कार्य-जीवन संतुलन की समस्याएं बढ़ी हैं। लेकिन इन समस्याओं का समाधान महिलाओं को घर तक सीमित करना नहीं, बल्कि ऐसी सामाजिक और आर्थिक नीतियां बनाना है जो परिवार और कार्य के बीच संतुलन स्थापित कर सकें। इतिहास भी इस विषय को उतनी सरलता से नहीं देखता जितना अक्सर सोशल मीडिया पर प्रस्तुत किया जाता है। महिलाओं ने सदियों से खेती, पशुपालन, हस्तशिल्प, व्यापार और पारिवारिक व्यवसायों में योगदान दिया है। औद्योगिक क्रांति के दौरान भी बड़ी संख्या में महिलाएं कारखानों में कार्य करती थीं। इसलिए यह कहना कि इतिहास में महिलाएं हमेशा घर पर ही रहती थीं, वास्तविकता का पूर्ण चित्र प्रस्तुत नहीं करता। अंतर केवल इतना है कि पहले उनके श्रम का बड़ा हिस्सा बिना वेतन के घरेलू कार्यों में दिखाई देता था, जबकि आज वही श्रम वेतनभोगी रोजगार के रूप में अधिक स्पष्ट दिखाई देता है। यह भी सही है कि घरेलू कार्य का आर्थिक मूल्य अक्सर कम करके आंका गया है। घर संभालना, बच्चों का पालन-पोषण करना, बुजुर्गों की सेवा करना और परिवार की व्यवस्था बनाए रखना किसी भी समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य हैं। यदि कोई महिला या पुरुष यह भूमिका निभाता है तो उसका सम्मान होना चाहिए। लेकिन इसी प्रकार यदि कोई महिला अपनी शिक्षा, योग्यता और इच्छा के अनुसार नौकरी करना चाहती है तो उसके निर्णय का भी समान सम्मान होना चाहिए। वास्तविक सशक्तिकरण का अर्थ विकल्प का अधिकार है, न कि किसी एक जीवनशैली को सभी पर थोप देना। आर्थिक दृष्टि से भी यह विचारणीय है कि यदि लाखों महिलाएं अचानक कार्यबल से बाहर हो जाएं तो देश की उत्पादन क्षमता, कर संग्रह, उपभोग और आर्थिक विकास पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। अनेक क्षेत्रों—शिक्षा, स्वास्थ्य, बैंकिंग, सूचना प्रौद्योगिकी, प्रशासन और वैज्ञानिक अनुसंधान- में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इन क्षेत्रों से महिलाओं की अनुपस्थिति केवल परिवारों को ही नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र की प्रगति को प्रभावित करेगी। वास्तविक समस्या शायद कहीं और है। पिछले कुछ दशकों में उत्पादकता जितनी बढ़ी, उतनी गति से आम नागरिक की वास्तविक क्रयशक्ति नहीं बढ़ी। संपत्ति कुछ हाथों में अधिक केंद्रित हुई। शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी आवश्यक सेवाओं का तेजी से निजीकरण हुआ। महानगरों में भूमि की उपलब्धता सीमित रही। निवेशकों ने आवास को रहने की आवश्यकता से अधिक निवेश का साधन बना दिया। परिणामस्वरूप मकान आम परिवार की पहुंच से दूर होते गए। इसी प्रकार शिक्षा सेवा न रहकर एक बड़े उद्योग का रूप लेती गई। इन संरचनात्मक कारणों की अनदेखी कर पूरी जिम्मेदारी महिलाओं के रोजगार पर डाल देना समस्या का समाधान नहीं है। निश्चित रूप से आधुनिक जीवनशैली ने परिवारों के सामने नई चुनौतियां खड़ी की हैं। छोटे बच्चों की देखभाल, बुजुर्गों की सेवा, वैवाहिक संबंधों में संवाद की कमी और बढ़ता मानसिक तनाव वास्तविक समस्याएं हैं। इनका समाधान लचीले कार्य घंटे, मातृत्व और पितृत्व अवकाश, गुणवत्तापूर्ण डे-केयर, परिवार समर्थक नीतियों और कार्यस्थलों पर संवेदनशील वातावरण से निकलेगा। केवल महिलाओं को दोषी ठहराने से न तो महंगाई कम होगी और न ही परिवार मजबूत होंगे।

व्यंग्य

डिजिटल कलयुग के फेसबुकिया मनुष्य और उनकी जलन

-विवेक रंजन श्रीवास्तव

सृष्टि के प्रारंभ में विधाता ने मनुष्य बनाया था, लेकिन इस डिजिटल कलयुग में मार्क जुकरबर्ग ने फेसबुकिया मनुष्य का मुखपोथी आविष्कार कर दिया । इसके साथ ही अवतरित हुआ एक नया वैश्विक संताप , डिजिटल आत्म-पीड़न। इस नए युग का मूल मंत्र बेहद अनूठा है, जहाँ लोग दूसरों की खुशियों की रंगीनियों से इस तरह आहत हो रहे हैं मानो किसी ने उनके अपने ही घर की बिजली काट दी हो। आहत होने का फैशन है, आस्था पर तो प्रहार , मानहानि के मुकदमों की भरमार है। स्थिति यह है कि जिनकी रचनात्मक क्षमता सीमित है वे केवल अपनी खुद की फेसबुक दीवार पर फ्लाइंग फ्रॉम अमुक जगह टू तमुक जगह के गूगल मैप का स्क्रीनशॉट पोस्ट करते हैं, तो कई परम ज्ञानियों के सीने पर सीधे हवाई जहाज लैंड कर जाता है। वे भूल जाते हैं कि पोस्ट करने वाले का मकसद किसी को नीचा दिखाना नहीं, बल्कि अपनी यादों के डिजिटल शोरूम में स्वयं की विविधता को बतौर डिजिटल डायरी समेटना है । ताकि भविष्य में जब वे कोई यात्रा-संस्मरण या ट्रैवलॉग लिखें, तो संदर्भ सुरक्षित रहें। वे किसी को टैग भी नहीं कर रहे होते, फिर भी ईर्ष्या की भट्टी में खुद को झोंकने वाले स्वैच्छिक रूप से कुढ़ने का असीम सुख ढूंढ ही लेते हैं। यदि कोई यह नहीं भी लिखेगा कि वह कहां से क्या लिख रहा है तो उससे आपकी सेहत बनने या बिगड़ने वाली नहीं होती । लोगों की खुशियों में शामिल होना ही वैश्विकता है।

विश्व कप फुटबॉल के लम्हे तो जीने वाले जीते ही रहेंगे, लाइव स्टेडियम में बैठकर , ऐसे लोग मैच देखें या न देखें। लोग तो अपनी थाली के भोजन से लेकर अपने रहन-सहन का कैनवास वैश्विक कर रहे हैं, जिससे अगर चश्मा बदलकर देखा जाए तो बहुत कुछ सीखा जा सकता है, मगर यहाँ तो समस्या यह है कि सामने वाले की थाली का पनीर आँखों में कंकड़ की तरह चुभ रहा होता है। ये वे ही कुंठित मनोवृत्ति के लोग होते हैं, जो महिलाओं पर व्यक्ति परक कविताएं लिखकर उनकी चरण वंदना करने के दैवीय सुख पाने की चेष्टा में फेसबुक का इस्तेमाल करने से नहीं चूकते या सुंदर महिलाओं की फोटो देख, अपने सफेद बालों की परवाह किए बिना,उनके इनबॉक्स में अनाधिकार मैसेज कर उनकी निजता में दखल के लिए फटकारे जाने में गर्व की अनुभूति करते हैं। इस आत्म-पीड़न का सबसे मजेदार पहलू यह है कि फेसबुक ने इस भारी कष्ट से मुक्ति के लिए अनफ्रेंड, अनफॉलो और ब्लॉक जैसे परम दिव्य और सहज ब्रह्मास्त्र मुफ्त में दे रखे हैं। छुओ और मुक्त हो जाओ! पर नहीं, रील भी पूरी देखनी है, पोस्ट पर खोजी नजर भी गड़ाए रखनी है और फिर कढ़ाई के तेल की तरह खौलना भी पूरा है। दुनिया में अरबों लोग रोज न जाने क्या-क्या अद्भुत कर रहे हैं, अब अगर तुम्हारी मुख-पोथी का कोई परिचित भी अपने बल पर या अपने बच्चों के बल से जिंदगी थोड़ी शिद्दत से जी रहा है, तो उससे कलेजा सुलगाने की क्या तुक? इस कूपमंडूकता का एक और नया और डरावना रूप तब देखने को मिलता है जब बात ए.आई. यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के रचनात्मक प्रयोग पर आती है। तकनीक के नाम पर केवल व्हाट्सएप फॉरवर्ड और गुड मॉर्निंग इमेज भेजने वाली जमात उन रचनाकारों से घोर ईर्ष्या कर रही है जो ए.आई. का गुणवत्तापूर्ण उपयोग कर समकालीन लेखन और कला को नई ऊंचाइयों पर ले जा रहे हैं।

अपराधिक घटनाओं में जातीय विद्वेष की राजनीति

-डॉ. सुधाकर आशावादी

देश में आजकल जातीय विघटन की राजनीति को बढ़ावा देने के लिए षड्यंत्रकारी शक्तियां सक्रिय हैं। यदि ऐसा न होता, तो उत्तरप्रदेश में अपराधिक घटनाओं में पीड़ित व अपराधी की जाति खोजकर जातीय वैमनस्य फ़ैलाने के प्रयास न किए जाते। पुलिस, प्रशासन एवं न्यायपालिका के प्रति अविश्वास व्यक्त करने के नाम पर सड़कों पर धरना प्रदर्शन करके मार्ग अवरुद्ध करके जन जीवन को अस्त व्यस्त करने का दुस्साहस न किया जाता। जाति आधारित राजनीति करने वाले तत्व हर अपराधिक घटना को जातीय आधार पर भुनाने और अपनी राजनीति चमकाने के लिए भीड़ को उकसाकर अराजकता उत्पन्न न करते। बहरहाल कुछ लोगों का कार्य ही प्रत्येक घटना में जातीय नजरिया खोजना है। ऐसे अनेक उदाहरण हैं, जहाँ प्रेम प्रसंगों में हुई अपराधिक वारदातों को दलित उत्पीड़न से जोड़कर समाज में जातीय वैमनस्य फ़ैलाने का प्रयास किया गया। पुलिस द्वारा अपराधी को गिरफ्तार किये जाने पर भी संबंधित पीड़ित परिवार को जातीय विघटनकारी तत्वों ने उकसाया। बाहरी तत्वों ने धरना प्रदर्शन की आड़ में अपने अपने मनसूबे पूरे करने के प्रयास किए। जब पुलिस ने उनके आपराधिक इतिहास को खंगाल कर उनके विरुद्ध कार्यवाही की, तब ऐसे तत्वों के समर्थन में वह स्वयंभू लोग आ गए, जिनका कार्य ही केवल जातिगत राजनीति करके अपना सियासी कद ऊँचा करना है। विडंबना यह है कि समाज द्वारा नकारे गए सियासी तत्व कभी पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक कार्ड खेलकर और कभी समाज में सवर्ण कहे जानी वाली जातियों के विरुद्ध विषवमन करने से नहीं हिचकती। कुछ लोगों का कार्य ही ऐसे अवसरों की तलाश करना रह गया है, कि जिनमें वह अपना राजनीतिक स्वार्थ ढूंढ सकें। उन्हें समाज के सभी वर्गों के अपराधियों के प्रति पुलिस प्रशासन का समान रवैया नहीं दिखाई देता, उन्हें केवल एक ही जाति के अपराधियों के प्रति की जाने वाली कार्यवाही दलित उत्पीड़न दिखाई देती है। उत्तर प्रदेश के मेरठ में किसी आंदोलन में अपनी राजनीति चमकाने आए कुछ बाहरी तत्वों को वरिष्ठ पुलिस अधिकारी द्वारा सबक सिखाए जाने पर संबंधित अधिकारी पर जातिगत आरोप लगाए गए, जिससे लगता है, कि जातीय विद्वेष की जड़ें इतनी गहरी हो गई हैं, कि पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों को भी जातीय संकीर्णता के दायरे में लाने का कुत्सित प्रयास किया जा रहा है, जिस पर गंभीर रूप से चिंतन किया जाना अनिवार्य है। यदि पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों तथा अपराधियों के जातिगत आधार पर विरोधस्वरूप धरना प्रदर्शन किए जाने लगे तो निसंदेह अराजकता को बढ़ने से रोकना असंभव होगा। सो इस संबंध में जनजागरूकता अभियान चलाये जाने आवश्यक हैं।

चंदा चोरी

मंदिरों में भ्रष्टाचार: वहां सुशासन की नई क्रांति का सूत्रपात हो

-: ललित गर्ग

भारत की पहचान केवल उसकी प्राचीन सभ्यता, सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक दर्शन से नहीं है, बल्कि उन मंदिरों से भी है जो करोड़ों लोगों की आस्था, विश्वास और जीवन का आधार हैं। अयोध्या का श्रीराम मंदिर, बद्रीनाथ धाम, माता वैष्णोदेवी, तिरुपति, काशी विश्वनाथ, सोमनाथ, सालासर बालाजी, खाटू श्यामजी जैसे मंदिर केवल धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि भारतीय आत्मा के जीवंत प्रतीक हैं। इन मंदिरों में प्रतिदिन लाखों श्रद्धालु इस विश्वास के साथ पहुंचते हैं कि यहां उन्हें केवल भगवान के दर्शन ही नहीं, बल्कि आत्मिक शांति और नैतिक ऊर्जा भी प्राप्त होगी। लेकिन जब इन्हीं मंदिरों से चढ़ावे की चोरी, वित्तीय अनियमितताओं, वीआईपी संस्कृति, पुजारियों अथवा कर्मचारियों के अनुचित आचरण और श्रद्धालुओं के साथ दुर्व्यवहार की खबरें सामने आती हैं, तब केवल कोई संस्था बदनाम नहीं होती, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था घायल होती है। हाल के वर्षों में श्रीराम मंदिर, बद्रीनाथ और अब माता वैष्णोदेवी मंदिर में चढ़ावे से जुड़े कथित भ्रष्टाचार के मामलों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि मंदिरों की व्यवस्था को केवल धार्मिक भावना के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। जिस धन को श्रद्धालु भगवान का अर्पण मानकर समर्पित करते हैं, वह किसी व्यक्ति या समूह की निजी संपत्ति नहीं है। उस धन का प्रत्येक रुपया सार्वजनिक विश्वास की धरोहर है। यदि उसी में अपारदर्शिता या चोरी का संदेह पैदा हो जाए तो यह केवल आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि धार्मिक विश्वास के साथ विश्वासघात है। मंदिरों में बढ़ती अव्यवस्था का दूसरा गंभीर पक्ष है-वीआईपी दर्शन संस्कृति। आज देश का सामान्य श्रद्धालु कई-कई घंटे कतार में खड़ा रहता है। वृद्ध, महिलाएं, दिव्यांग और छोटे बच्चों के साथ आए परिवार कठिन परिस्थितियों में अपनी बारी की प्रतीक्षा करते हैं। लेकिन जैसे ही कोई मंत्री, विधायक, अधिकारी या प्रभावशाली व्यक्ति पहुंचता है, सामान्य दर्शन रोक दिए जाते हैं और वीआईपी दर्शन शुरू हो जाते हैं। आम श्रद्धालु की लाइन रोक दी जाती है, उसके दर्शन का समय बाधित होता है और उसे यह एहसास कराया जाता है कि भगवान के दरबार में भी सभी बराबर नहीं हैं। यह स्थिति भारतीय संस्कृति और धर्म की मूल भावना के विपरीत है। हमारे शास्त्र कहते हैं कि ईश्वर के समक्ष राजा और रंक में कोई भेद नहीं होता। यदि मंदिरों में भी सामाजिक और राजनीतिक विशेषाधिकार का प्रदर्शन होगा तो यह धर्म के मूल स्वरूप का अपमान है। मंदिरों को लोकतांत्रिक समानता और

आध्यात्मिक समरसता का सर्वोच्च उदाहरण बनना चाहिए, न कि सामाजिक असमानता का मंच। आज आवश्यकता इस बात की है कि पूरे देश में 'समान मन्दिर दर्शन नीति' लागू की जाए। राष्ट्रीय सुरक्षा या अत्यंत विशिष्ट संवैधानिक परिस्थितियों को छोड़कर किसी भी व्यक्ति को सामान्य श्रद्धालुओं की कतार से अलग विशेष दर्शन का अधिकार नहीं मिलना चाहिए। यदि किसी कारणवश सुरक्षा व्यवस्था आवश्यक हो, तब भी आम श्रद्धालुओं के दर्शन बाधित नहीं होने चाहिए। भगवान के दरबार में सबसे बड़ा वीआईपी केवल श्रद्धा होनी चाहिए, पद और सत्ता नहीं। इसी प्रकार मंदिरों की चढ़ावा व्यवस्था में व्यापक सुधार की आवश्यकता है। आज डिजिटल भारत का युग है, फिर भी अनेक मंदिरों में दान और चढ़ावे की पारदर्शी व्यवस्था विकसित नहीं हो सकी है। प्रत्येक बड़े मंदिर में दान-पात्रों की इलेक्ट्रॉनिक निगरानी, सीसीटीवी कैमरे, बारकोड आधारित सीलिंग, नियमित स्वतंत्र ऑडिट तथा प्रत्येक माह आय-व्यय का सार्वजनिक विवरण वेबसाइट और सूचना पट्ट पर उपलब्ध कराया जाना चाहिए। श्रद्धालु को यह जानने का अधिकार है कि उसके द्वारा दिया गया धन कहां और किस उद्देश्य में उपयोग किया जा रहा है। इसके साथ ही मंदिर प्रशासन में केवल धार्मिक पहचान ही नहीं, बल्कि चरित्र, ईमानदारी और प्रशासनिक दक्षता को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। मंदिर प्रबंधन समितियों में ऐसे व्यक्तियों को स्थान मिले जिनकी सामाजिक प्रतिष्ठा निष्कलंक हो, जिनका सार्वजनिक जीवन पारदर्शी रहा हो और जिन पर किसी प्रकार के भ्रष्टाचार या आपराधिक आरोप न हों। समय-समय पर उनके कार्यों का स्वतंत्र मूल्यांकन भी किया जाए। मंदिर प्रबंधन किसी का विशेषाधिकार नहीं, बल्कि समाज के प्रति उत्तरदायित्व है। मंदिरों में सेवा करने वाले पुजारियों, कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मियों के लिए भी आचार-संहिता बनाई जानी चाहिए। श्रद्धालुओं के साथ दुर्व्यवहार, अभद्र भाषा, दलालों से मिलीभगत, नशाखोरी या किसी भी प्रकार का अनुशासनहीन व्यवहार पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई हो। सालासर बालाजी में बाउंसरों द्वारा श्रद्धालु की पिटाई और खाटू श्यामजी में मुख्य पुजारी से जुड़े विवाद जैसे प्रसंग यह संकेत देते हैं कि केवल धार्मिक पहचान पर्याप्त नहीं, बल्कि नैतिक अनुशासन भी उतना ही आवश्यक है।

26 जनवरी 1950 को स्थापित/संस्थापक बाबूसिंह चौहान

चिंगारी

बिजनौर : शनिवार , 18 जुलाई, 2026

www.dainikchingari.com

वांगचुक को जंतर-मंतर से हटाकर पुलिस ने अस्पताल में किया भर्ती

नयी दिल्ली (एजेंसी/चिंगारी)। दिल्ली पुलिस ने आमरण अनशन पर बैठे सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को जंतर-मंतर से आज सुबह हटाकर सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कर दिया। वांगचुक विभिन्न परीक्षाओं में पेपर लीक होने से रोकने, शिक्षा व्यवस्था में सुधार तथा शिक्षामंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी के बैनर तले गत 28 जून से आमरण अनशन कर रहे थे। दिल्ली पुलिस ने वांगचुक के बिगड़ते स्वास्थ्य का हवाला देते हुये उन्हें जंतर-मंतर से हटाकर अस्पताल में भर्ती करा दिया। पुलिस ने कहा है कि वांगचुक को दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश तथा चिकित्सा विशेषज्ञों की सलाह पर उनके बिगड़ते स्वास्थ्य को देखते हुये आवश्यक चिकित्सा उपायों के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है। पुलिस ने जंतर-मंतर पर मौजूद प्रदर्शनकारियों को शांतिपूर्वक ढंग से वहां से चले जाने को कहा है। उसने कहा है कि उच्च न्यायालय के आदेश का पालन करते हुये वांगचुक को अनशन स्थल से हटाये जाने के दौरान प्रदर्शनकारियों ने बाधा डालने की कोशिश की जिससे वहां पर हंगामा हुआ। लेकिन पुलिस ने पूरा संयम बरतते हुये अपना काम किया। श्री वांगचुक के अनशन का आज 21 वां दिन था और इस दौरान उनका स्वास्थ्य खराब होने लगा था तथा वजन नौ किलों से ज्यादा घट गया था। उनके प्रति समर्थन व्यक्त करने के लिए विभिन्न राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों के नेता जंतर-मंतर पर जाकर उनसे मिले थे।

अब प्रधान नहीं, प्रधानमंत्री का इस्तीफा मांगेंगे- दीपके

सामाजिक कार्यकर्ता और शिक्षाविद सोनम वांगचुक को शनिवार को जंतर मंतर से हटाकर जबरन अस्पताल में भर्ती करवाए जाने के बाद कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक-अध्यक्ष अभिजीत दीपके ने शनिवार को कहा कि अब वह केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस्तीफे की मांग करेंगे। श्री दीपके ने प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि पुलिस ने श्री वांगचुक के साथ दुर्व्यवहार किया और उन्हें जबरन वहां से ले गयी। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस उन्हें चादरों से ढंककर ले गयी, जबकि यदि कार्रवाई सही थी तो ऐसा करने की आवश्यकता नहीं थी। उन्होंने कहा, सोनम सर (वांगचुक) को घसीटकर और गाली-गलौज करते हुए यहां से ले जाया गया।

राहुल गांधी और 'छात्रों की गूंज' से गूंजा देहरादून

-एस पी अरोड़ा

राहुल गांधी के साथ पेपर लीक के खिलाफ़ हजारों युवाओं ने भरी हुंकार

देहरादून (चिंगारी)। राजधानी देहरादून में आयोजित 'छात्रों की गूंज' महारैली युवाओं के आक्रोश, उम्मीद और बदलाव के संकल्प का मंच बन गई। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के संबोधन से पहले और उनके मंच पर पहुंचने के दौरान युवा जोश और नारों से गूंज उठा।

हजारों छात्र-छात्राओं और प्रतियोगी परीक्षा अभ्यर्थियों ने पेपर लीक, बेरोजगारी और भर्ती परीक्षाओं में अनियमितताओं के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद की। सभा स्थल पर 'पेपर लीक बंद करो', 'रोजगार हमारा अधिकार है', 'युवा जागा है, देश बदलेगा', 'मेहनत का सम्मान करो' और 'नौकरी नहीं, तो जवाब दो' जैसे नारे लगातार गूंजते रहे।

युवाओं ने हाथों में तख्तियां और बैनर लेकर पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया तथा समयबद्ध परीक्षाओं की मांग उठाई। बड़ी संख्या में छात्र दूर-दराज के जिलों से भी कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। राहुल गांधी ने अपने संबोधन में कहा कि पेपर लीक केवल परीक्षा प्रणाली की विफलता नहीं, बल्कि युवाओं के सपनों की चोरी है। उन्होंने कहा कि देश का युवा वर्षों की मेहनत, आर्थिक संघर्ष और मानसिक दबाव के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करता है, लेकिन भ्रष्ट तंत्र उसकी मेहनत को कुछ मिनटों में बेकार कर देता है। उन्होंने शिक्षा और भर्ती प्रणाली को पारदर्शी, जवाबदेह और छात्र हितों के अनुरूप बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। बन्नू स्कूल की महारैली के दौरान उन छात्रों को भी मंच पर बुलाया गया, जिनकी परीक्षाएं पेपर लीक या

परीक्षा निरस्त होने से प्रभावित हुई हैं।

कई युवाओं ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि भर्ती घोटालों और परीक्षा अनियमितताओं ने उनके करियर के महत्वपूर्ण वर्ष छीन लिए हैं। कार्यक्रम का सबसे भावुक क्षण तब आया, जब आत्महत्या करने वाली छात्रा रिया थापा के पिता ने अपनी बेटी के संघर्ष और परिवार की पीड़ा को साझा किया। कार्यक्रम में युवाओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। राहुल गांधी के संबोधन के दौरान छात्र बार-बार खड़े होकर तालियों और नारों के साथ उनका समर्थन करते रहे। सभा में मौजूद युवाओं ने पेपर लीक माफिया के खिलाफ कड़ी कार्रवाई, परीक्षा कैलेंडर को समयबद्ध बनाने और रोजगार के अवसर बढ़ाने की मांग की।

अभियान जारी रहेगा

कांग्रेस के छात्र संगठन एनएसयूआई, युवा कांग्रेस और प्रदेश कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने इसे युवाओं की आवाज को राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने की शुरुआत बताते हुए कहा कि यह अभियान सड़क से संसद तक जारी रहेगा। पार्टी नेताओं ने कहा कि पेपर लीक और बेरोजगारी के खिलाफ युवाओं की लड़ाई को जनआंदोलन का स्वरूप दिया जाएगा।

कई माताएं भी बनीं भीगी शाम की गवाह

राहुल गांधी का दून आगमन और छात्रों की गूंज.. साथ में डीजे के शोर में थिरकते युवा.. शाम को हुई भारी बारिश से कार्यक्रम स्थल पर कई जगह कीचड़, फिर भी युवाओं के साथ बुजुर्ग व गोद लिए बच्चों के साथ आईं माताएं भीगी शाम की गवाह बनीं। लगभग चार से पांच घण्टे तक बन्नू स्कूल में युवाओं के आने-जाने का सिलसिला जारी ही रहा।

कांग्रेसियों के चेहरे खिले

म्यूजिक के जबरदस्त रोमांच के साथ राहुल गांधी छात्रों की गूंज का सक्सेसफुल फ्यूज़न कर गए। प्रदेश की राजनीति के इतिहास में रात्रि को लगे युवाओं के इस जमावड़े के कई राजनीतिक निहितार्थ भी आने वाले दिनों में निकाले जाते रहेंगे..फिलहाल, भाजपा को जीत की हैट्रिक से दूर रखने की कोशिश में जुटे कांग्रेसी चेहरे राहुल बाबा की गूंज से शाम को हुई बरसात की जबरदस्त झड़ी में खिले-खिले दिखाई दिए।

अभिजीत दीपके अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे

नयी दिल्ली (एजेंसी/चिंगारी)। केन्द्रीय शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग के साथ अनशन पर बैठे शिक्षाविद सोनम वांगचुक को दिल्ली पुलिस द्वारा जंतर-मंतर से हटाकर अस्पताल में भर्ती करवाये जाने के बाद कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अध्यक्ष अभिजीत दीपके ने भूख हड़ताल पर बैठने का फैसला किया। श्री दीपके ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर इसकी घोषणा करते हुए लिखा, मैं अभी से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर रहा हूं। सभी से अनुरोध है कि वे पीछे न हटें। यह आंदोलन अभी और बड़ा होने वाला है। उन्होंने वांगचुक सर को हटाकर बहुत बड़ी गलती की है। मैं सभी से अनुरोध करता हूं कि वे जंतर मंतर आएं। हमारा आंदोलन यहीं से आगे बढ़ेगा।

लॉर्ड्स में 22 साल के वनडे सूखे को खत्म करने उतरेगी भारतीय टीम

लंदन (एजेंसी/चिंगारी)। भारतीय टीम रविवार को 'होम ऑफ क्रिकेट' (लॉर्ड्स) के मैदान पर होने वाले निर्णायक तीसरे अंतरराष्ट्रीय वनडे मैच को जीतकर 22 साल के सूखे को खत्म करने और इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज विजय के इरादे से उतरेगी। कार्डिफ में इंग्लैंड की जबरदस्त वापसी के बाद तीन मैचों की सीरीज 1-1 से बराबरी पर है। अब यह निर्णायक मुकाबला इतिहास, व्यक्तिगत प्रतिद्वंद्विता और बड़े दांव-पेच से भरा होने वाला है। पलटकर देखा जाये तो लॉर्ड्स ने भारत को कुछ सबसे यादगार पल दिये है जैसे 1983 में कपिल देव का वर्ल्ड कप उठाना हो या 2002 में नेटवेस्ट ट्रॉफी जीतने के बाद सौरव गांगुली का शर्ट लहराकर जश्न मनाना। फिर भी, उन यादों के बावजूद, भारत ने 2004 के बाद से इस मैदान पर कोई वनडे मैच नहीं जीता है। इस लिये रविवार को यहां होने वाले मुकाबले का महत्व और बढ़ जाता है। भारत को उम्मीद होगी कि उनके बड़े खिलाड़ी अहम मौके पर अच्छा प्रदर्शन करेंगे।

बच्चों की जान से खिलवाड़, स्कूल वैन की छत पर बैठाकर ले जाने का वीडियो वायरल

कासमपुर गढ़ी (चिंगारी)। एक स्कूल वैन की छत पर बच्चों को बैठाकर ले जाते हुए बच्चों की जान से खिलवाड़ करने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी के साथ वायरस हो रहा है जिसे देख अभिभावकों में बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता व्याप्त है। स्कूल वैन पर राखी मेमोरियल विद्या निकेतन जनता इंटर कॉलेज आसफाबाद चमन लिखा हुआ है। वीडियो इसी शुक्रवार का बताया जा रहा है जिसे एक अभिभावक द्वारा बनाकर वायरल किए जाने की बात कही जा रही है। वीडियो में जहां एक ओर स्कूल वैन के अंदर मानक से अधिक खचाखच भरे बच्चे बैठे दिखाई दे रहे हैं वही बच्चों की जान की परवाह किए बिना कुछ बच्चों को वैन की छत पर बैठाकर ले जाया जा रहा है। वीडियो बनाने वाला व्यक्ति वैन चालक से इस संबंध में बात करने का प्रयास करता और अधिकारियों से शिकायत करने की बात कहता दिखाई दे रहा है। इस संबंध में स्कूल की प्रधानाचार्या संध्या शर्मा का कहना है कि स्कूल को बदनाम करने की गरज से वीडियो किसी व्यक्ति के द्वारा साजिशन वायरल की गई है जबकि विद्यालय द्वारा बच्चों की शिक्षा व सुरक्षा को लेकर पूरी तरह से देखभाल की जाती है।

पुलिस करेगी कार्रवाई

स्कूल वैन की छत पर बच्चों को बैठाकर ले जाने की वायरल वीडियो के संबंध में कोतवाली अफजलगढ़ के प्रभारी निरीक्षक मृदुल कुमार सिंह का कहना है कि पुलिस की ओर से आवश्यक कार्यवाही की जा रही है और संबंधित विभाग को भी अवगत कराया जा रहा है।

मामला गंभीर है, आवश्यक कार्यवाही होगी- सीईओ

खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) अफजलगढ़ प्रेम सिंह राणा ने वायरल वीडियो के संबंध में कहा कि मामला गंभीर है, आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

विधायक की प्राथमिकता में शामिल दो मार्गों को मिली निर्माण की स्वीकृति

नजीबाबाद (चिंगारी)। विधायक हाजी तसलीम अहमद ने विधानसभा क्षेत्र नजीबाबाद में मंडी परिषद से संबंधित सड़कों के निर्माण हेतु कुल चार सड़कों के निर्माण के लिए शीतकालीन सत्र फरवरी 2026 में नियम 301 के अंतर्गत प्रश्न किया था और इन सड़कों के निर्माण की मांग की गई थी, जिसके बाद दिनांक 20 मार्च 2026 को राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार दिनेश प्रताप सिंह ने विधायक नजीबाबाद को पत्र भेजकर इस वित्तीय वर्ष में इन मार्गों को इस कार्ययोजना में प्रस्तावित कर मार्ग निर्माण का आश्वासन दिया था। अब इन मार्गों में से उनके विधानसभा क्षेत्र विधायक की प्राथमिकता में शामिल निम्न दो मार्ग की स्वीकृति मिल गई है। टेंडर प्रक्रिया जारी है जल्द ही कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा। जिसमें भागूवाला से सबलगढ़ मार्ग जिसकी लागत 43.66 लाख रुपये, लंबाई 2.47 मीटर, फजलपुर तबेला से लपटापुर तक जिसकी लागत 27.31 लाख रुपये, लंबाई 1.25 मीटर तथा इसके अलावा बेगमपुर भोनावाला से सिकंदपुर बसी भी स्वीकृत हुई है। शेष कार्य भी जल्दी स्वीकृत होंगे।

सीओ के आश्वासन पर समाप्त हुआ मीडियाकर्मियों का धरना

नजीबाबाद (चिंगारी)। मंडावली के मीडियाकर्मी मुस्तकीम अहमद व उनके परिवार के विरुद्ध मंडावली थाना प्रभारी राकेश कुमार द्वारा लिखे गए झूठे मुकदमे के विरोध में गुरूवार को नजीबाबाद तहसील में मीडियाकर्मियों ने अनिश्चितकालीन धरना दिया, जिसमें भाकियू भानू, भाकियू प्रधान, भाकियू महात्मा टिकैत आदि सामाजिक संगठनों ने धरने को अपना पूर्ण समर्थन दिया। इस मौके पर मीडिया कर्मियों ने मंडावली थाना अध्यक्ष राकेश कुमार के खिलाफ उच्च स्तरीय जांच कराने एवं उनकी बर्खास्त की मांग की। वही पीड़ित पत्रकार मुस्तकीम अहमद के खिलाफ लिखे मुकदमे को रद्द करने, मुस्तकीम अहमद की तरफ से मुकदमा दर्ज करने, मंडावली थाना अध्यक्ष राकेश कुमार की संपत्ति की जांच कर सार्वजनिक करने, प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भेंट कर उक्त प्रकरण से अवगत कराने के प्रस्ताव सर्वसम्मति से पास किए गए। इस अवसर पर मीडियाकर्मियों ने दोटूक कहा कि जब तक मंडावली थाना अध्यक्ष का निलंबन नहीं हो जाता, तब तक पत्रकारों का अनिश्चितकालीन धरना जारी रहेगा। बाद में सीओ आकांक्षा गौतम के मामले की निष्पक्ष जांच कराने व जांच होने तक कोई गिरफ्तारी न होने का आश्वासन मिलने पर धरना दो दिन के लिए स्थगित कर दिया गया। वरिष्ठ पत्रकार जितेंद्र जैन की अध्यक्षता एवं नईम सिद्दीकी के संचालन में धरने में विपिन ठाकुर, बब्बन जैदी, मुशर्रफ अली, सरफराज अहमद, मोहम्मद इकराम, अंकुर कुमार, शाकिर कुरैशी, वसीम बारी, शेर खान, अवधेश शर्मा, अफजाल अंसारी, रामोद कुमार गुलजार अहमद एडवोकेट, इक़बाल कुरैशी, ज़ीशान नजीबाबादी आदि मौजूद रहे।

नजीबाबाद में सपा को पहली जीत 25 साल बाद नसीब हुई थी

रूकन राजपूत

नांगल सोती (चिंगारी)। आज भले ही नजीबाबाद विधानसभा क्षेत्र समाजवादी पार्टी का गढ़ नजर आता हो, मगर सपा को यहां पहली जीत 25 साल बाद नसीब हुई थी। वर्तमान में यहां के विधायक सपा के हाजी तसलीम अहमद हैं, जो 2022 में लगातार तीसरी बार जीते थे। हालांकि उन्हें पहली जीत बसपा के टिकट पर मिली थी।

विधायक तसलीम अहमद

समाजवादी पार्टी की स्थापना 4 अक्टूबर, 1992 को मुलायम सिंह यादव ने की थी। स्थापना के बाद समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश में 3 बार सत्ता में रही। दो बार मुलायम सिंह यादव (4 दिसंबर 1993 से 3 जून 1995 तक तथा 29 अगस्त 2003 से 13 मई 2007 तक) मुख्यमंत्री रहे और एक बार पूर्ण बहुमत की सरकार में अखिलेश यादव (15 मार्च 2012 से 19 मार्च 2017 तक) मुख्यमंत्री रहे। मुलायम सिंह यादव 5 दिसंबर 1989 से 24 जून 1991 तक भी मुख्यमंत्री रहे हैं, मगर तब वे जनता दल के नेता थे। वर्तमान में समाजवादी पार्टी लोकसभा में तीसरी सबसे बड़ी पार्टी है तथा उसके 37 लोकसभा सांसद हैं। सपा यूपी में मुख्य विपक्षी दल है।

नजीबाबाद विधानसभा क्षेत्र में समाजवादी पार्टी का स्ट्रांग होल्ड माना जाता है। प्रदेश में चल रही भगवा लहर के बावजूद पार्टी के उम्मीदवार ने 2017 तथा 2022 में लगातार जीत दर्ज की है। लेकिन सिक्के का दूसरा पहलू भी है। आज भले ही नजीबाबाद विधानसभा क्षेत्र को समाजवादी पार्टी का गढ़ माना जाता हो, मगर इस सीट पर अपना पहला विस चुनाव जीतने में पार्टी को 25 साल लग गये। हालांकि समाजवादी पार्टी और माकपा के गठबंधन के तहत यहां से दो बार (1996 और 2002 में) माकपा के मा. रामस्वरूप सिंह जरूर चुनाव जीते थे। लेकिन एक बार वे सपा के खिलाफ भी चुनाव जीते थे। तब 1993 में यूपी में समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी के बीच चुनावी गठबंधन हुआ था। तब बीजेपी को सत्ता में आने से रोकने के लिये सपा प्रमुख मुलायम सिंह यादव और बसपा प्रमुख मा. कांशीराम ने हाथ मिलाया था। नजीबाबाद विस क्षेत्र से सपा-बसपा गठबंधन के प्रत्याशी के तौर पर बसपा के दिनेश कुमार चुनाव लड़े थे। तब नजीबाबाद विस सीट पर माकपा के मा. रामस्वरूप सिंह ने अपनी पहली जीत भाजपा के साथ-साथ सपा-बसपा गठबंधन को हराकर हासिल की थी। 2017 में समाजवादी पार्टी को इस सीट पर हाजी तसलीम अहमद ने पार्टी स्थापना के 25 वर्षों बाद पहली जीत दिलाई थी। 2022 के विस चुनाव में भी सपा के हाजी तसलीम अहमद को शानदार जीत मिली थी। इससे पहले 2012 के विस चुनाव में हाजी तसलीम अहमद बसपा के उम्मीदवार थे और तब सपा के प्रत्याशी को करारी शिकस्त मिली थी। सपा प्रत्याशी शाहिद अली खां को चौथे स्थान पर संतोष करना पड़ा था।

1993 के विस चुनाव का परिणाम

मा. रामस्वरूप सिंह - माकपा- 46,401 वोट
राजेन्द्र प्रसाद - भाजपा - 40,489 वोट
दिनेश कुमार - सपा-बसपा गठबंधन - 16,327 वोट
आशा चौधरी - कांग्रेस - 11,518 वोट

2012 विस चुनाव का नतीजा

हाजी तसलीम अहमद - बसपा - 62,713 वोट
राजीव कुमार अग्रवाल - भाजपा - 51,130 वोट
अबरार आलम - रालोद - 30,885 वोट
शाहिद अली खां - सपा - 28,597 वोट

ई-रिक्शा से टकराकर महिला सहित दो घायल

शेरकोट (चिंगारी)। नेशनल हाईवे पर ई रिक्शा से टकराकर बाइक पलटने से उस पर सवार एक महिला सहित दो लोग घायल हो गए। घायलों को उपचार हेतु सीएचसी धामपुर ले जाया गया है। वहीं हरेवली मार्ग पर तेज रफ्तार के कारण अनियंत्रित हुआ मिट्टी से भरा डम्पर पलटने से बड़ा हादसा टल गया।

जानकारी के अनुसार कल दोपहर ग्राम उमरपुर पालकी निवासी अनिल कुमार अपनी रिश्तेदार कमलेश देवी के साथ बाइक पर सवार होकर शेरकोट से धामपुर की ओर जा रहा था। खो बैराज के पास स्थित कट पर पहुंचने पर सामने से आती ई रिक्शा से टकराकर बाइक पलट जाने से उस पर सवार सड़क पर गिरकर घायल हो गए। राहगीरों द्वारा एम्बुलेंस की मदद से दोनों घायलों को उपचार हेतु सीएचसी धामपुर भेज दिया गया। दूसरी घटना हरेवली मार्ग पर ट्रैक्टर-ट्राली से बचने के प्रयास में तेज़ रफ़्तार मिट्टी से भरा डम्पर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में जाकर पलट जाने से हुई। हादसे के बाद आये आसपास के लोगों ने डम्पर में फंसे चालक और परिचालक को बाहर निकाला। मामूली रूप से घायल चालक-परिचालक कुछ देर बाद मौके से फरार हो गए। प्रत्यदर्शियों ने बताया कि मिट्टी से भरे डम्पर की रफ्तार बहुत तेज थी। ट्रैक्टर को बचाने के प्रयास में चालक नियंत्रण खो बैठा और डम्पर सड़क किनारे गड्ढे में जाकर पलट गया। गनीमत रही कि डम्पर, ट्रैक्टर से नहीं टकराया, वरना बड़ा हादसा हो सकता था। चालक-परिचालक का नाम नहीं पता लग पाया है।

मिट्टी से भरा डम्पर सड़क किनारे पलटा

21 को अपनी शक्ति का अहसास करायेंगे किसान

नूरपुर (चिंगारी)। शुक्रवार को भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) की एक आवश्यक पंचायत ब्लॉक कार्यालय पर आयोजित की गई। पंचायत में आगामी 21 जुलाई को बिजनौर कलेक्ट्रेट में आयोजित होने वाले प्रदर्शन के लिए रणनीति तैयार की गई। पंचायत को सम्बोधित करते हुए जिला प्रवक्ता चौधरी राजेन्द्र सिंह ने कहा कि कार्यकर्ताओं का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नगीना व नजीबाबाद में भाकियू के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं पर पुलिस प्रशासन द्वारा जो मुकदमे दर्ज किए गए हैं, जब तक प्रशासन मुकदमे वापस नहीं लिए जाएंगे, तब तक संघर्ष जारी रहेगा। पंचायत में बोलते हुए ब्लॉक अध्यक्ष चौधरी चन्द्रपाल सिंह ने कहा 21 जुलाई को प्रशासन को संगठन की शक्ति का एहसास कराना है, इसलिए ब्लॉक क्षेत्र के अधिक से अधिक कार्यकर्ता अपने ट्रैक्टरों से कलेक्ट्रेट पहुंचें। उन्होंने कहा कि सभी कार्यकर्ता अपने ट्रैक्टर लेकर ब्लॉक कार्यालय पर एकत्रित होंगे यहीं से बिजनौर के लिए कूच किया जाएगा। पंचायत में जिला प्रवक्ता राजेंद्र सिंह, नूरपुर ब्लॉक अध्यक्ष चौधरी चंद्रपाल सिंह, नहटौर ब्लॉक अध्यक्ष विकास कुमार, जिला संगठन मंत्री मास्टर देवेंद्र सिंह, मास्टर रोहताश सिंह, यशवीर सिंह, हरवीर सिंह, कमल सिंह, लोकेश कुमार, ऋषिपाल सिंह, शीशपाल सिंह, कल्याण सिंह, बबलू सिंह, दरोगा, ऋतिक, नरेश सिंह, मुनिराम सिंह बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाकियू की पंचायत में उपस्थित कार्यकर्ता।

छात्रावास से गायब 4 छात्राएं चार घंटे बाद सकुशल मिलीं

राजा का ताजपुर (चिंगारी)। एक बोर्डिंग स्कूल के छात्रावास से पहली और दूसरी कक्षा में पढ़ने वाली चार छात्राओं के अचानक गायब होने से स्कूल प्रशासन में हड़कंप मच गया। चार घंटे बाद फोन पर मिली सूचना के बाद सकुशल छात्राओं को वापस लाया गया। शुक्रवार को स्थानीय एक जूनियर हाईस्कूल के छात्रावास से पहली और दूसरी कक्षा में पढ़ने वाली चार छात्राएं अचानक गायब हो गईं। करीब चार घंटे तक खोजबीन के बाद ताजपुर-स्योहारा मार्ग स्थित ठाट चौराहे से फोन द्वारा स्कूल प्रशासन को चारों बच्चियों के वहां होने की जानकारी दी। सूचना मिलते ही स्कूल के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और छात्राओं को सकुशल वापस छात्रावास ले आये। पूछताछ में छात्राओं ने बताया कि उन्हें अपने घर की याद आ रही थी, वे अपने घर जाने के उद्देश्य से छात्रावास से गई थीं। चारों बच्चे बरेली के पास एक गांव के रहने वाले हैं जिन्हें उनके माता-पिता ने बोर्डिंग स्कूल में छोड़ा हुआ है। घटना के बाद स्कूल प्रशासन ने छात्राओं की काउंसिलिंग की तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी को और सख्त करने की बात कही।

शत-प्रतिशत रहा बीएससी का परीक्षाफल

बिजनौर (चिंगारी)। कुंवर सत्यवीरा डिग्री कॉलेज, बिजनौर के बी.एससी. (जनरल बायो ग्रुप) षष्ठम सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा। प्रथम स्थान अदिति सिंह (84.8 प्रतिशत), द्वितीय स्थान तर्रनुम परवीन (83 प्रतिशत) तथा तृतीय स्थान मुस्कान (82.2 प्रतिशत) ने प्राप्त किया। महाविद्यालय प्रबंधन एवं प्राचार्य प्रो.(डॉ.) महेंद्र सिंह कौरव ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की। बी.एससी. विभाग के विभागाध्यक्ष राजकुमार एवं समस्त प्राध्यापकों एकता त्यागी, हर्ष राजपूत, सिमरन भारद्वाज, लेखराज सिंह, पुनीत कुमार, बिजेंद्र कुमार एवं अनुज कुमार ने सफल विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

बी फार्मा चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा में अरशान शमी ने कालेज टॉप किया

धामपुर (चिंगारी)। दिशा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन के बी.फार्मा. चतुर्थ सेमेस्टर (द्वितीय वर्ष) का परीक्षाफल शानदार रहा। छात्र अरशान शमी अख्तर पुत्र मौ. सलमान अख्तर को 76.14 प्रतिशत अंक प्राप्त कर इंस्टीट्यूट में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। छात्रा अंशुल अग्रवाल पुत्री अनूप अग्रवाल 71.00 प्रतिशत अंक पाकर द्वितीय स्थान तथा आफिया पुत्री मौ. शाहिद 70.42 प्रतिशत अंक पाकर तृतीय स्थान पर रहीं। संस्था की चेयरपर्सन डा. नीलम अग्रवाल ने बताया कि विद्यार्थियों की यह सफलता उनके परिश्रम, अनुशासन तथा शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। संस्थान के महासचिव मुकेश कुमार अग्रवाल, संयुक्त सचिव अनिरूद्ध अग्रवाल, रजिस्ट्रार राजीव कुमार, अकेडमिक इन्चार्ज अमित विश्नोई, प्राचार्य डा. विमल कुमार भारती, ललित कुमार, गौतम कुमार, रजत चौहान, अंजली, संजना, सुनैना सहित अन्य शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने भी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

सुहेल ने 98.98 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की नीट परीक्षा

बिजनौर (चिंगारी)। बिजनौर के काजीपाड़ा निवासी मौहम्मद जाहिद एवं शाहीन परवीन के होनहार पुत्र मौहम्मद सुहेल ने नीट (यूजी) 2026 परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करते हुए 720 अंकों में से 576 अंक प्राप्त किए हैं। उन्होंने 98.98 प्रतिशत के साथ ऑल इंडिया रैंक 20,131 हासिल कर न केवल अपने परिवार,बिजनौर जनपद का नाम रोशन किया है। सुहेल की सफलता उनकी कठिन मेहनत, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण का परिणाम है। उन्होंने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने माता-पिता तथा अपने बड़े भाई डॉ.फैसल को दिया है। सुहेल ने कहा कि परिवार के निरंतर सहयोग, मार्गदर्शन और प्रेरणा ने उन्हें अपने लक्ष्य तक पहुंचने का हौसला मिला। सुहेल के बड़े भाई डॉ. फैसल, लाइफ लाइन हॉस्पिटल में अपनी चिकित्सीय सेवायें दे रहे हैं।

मो. ज़ैद ने नीट में प्राप्त की 6624वीं रैंक

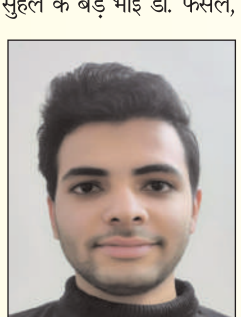

बिजनौर (चिंगारी)। स्थानीय मोहल्ला कस्साबान निवासी मोहम्मद ज़ैद पुत्र मोहम्मद अरशद ने एमबीबीएस में प्रवेश प्राप्त कर परिवार और जिले का नाम रोशन किया है। उन्होंने नीट परीक्षा में 588 अंक हासिल किए हैं। उनकी ऑल इंडिया रैंक 14,289 तथा ओबीसी वर्ग में 6624वीं रैंक रही। मोहम्मद ज़ैद की इस उपलब्धि पर परिवार में खुशी का माहौल है। परिजनों, रिश्तेदारों और शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। उनकी सफलता से क्षेत्र के युवाओं को भी कड़ी मेहनत और लगन के साथ अपने लक्ष्य हासिल करने की प्रेरणा मिलेगी। मोहम्मद ज़ैद दवा कारोबारी हाजी अमजद कुरैशी के भतीजे हैं। भतीजे की इस उपलब्धि पर हाजी अमजद कुरैशी ने मिठाई वितरित कर खुशी का इज़हार किया।

हसन हमीद ने 565 अंकों के साथ उत्तीर्ण की नीट परीक्षा

कासमपुर गढ़ी (चिंगारी)। अमानगढ़ वन रेंज से रिटायर हुए वन दरोगा अकबर अली के भतीजे, वन रक्षक मंसूर अली के चचेरे भाई, उत्तराखंड के जसपुर क्षेत्र के ग्राम भगवंतपुर निवासी मास्टर हामिद अली के होनहार बेटे हसन हमीदी ने नीट परीक्षा में 565 अंक प्राप्त कर उत्तीर्ण करते हुए अपने घर-परिवार का नाम रोशन किया है। हसन हमीदी ने 26186 वीं रैंक हासिल की है। हसन हमीदी के पिता हामिद अली ग्राम हजीरो के सरकारी प्राथमिक विद्यालय के हेड मास्टर हैं।

ससुर के अंतिम संस्कार में आये दामाद की गंगा में डूबने से मौत

बिजनौर (चिंगारी)। गंगा बैराज पर ससुर के अंतिम संस्कार में शामिल होने आए एक अधेड़ की स्नान के दौरान गंगा में डूबने से मौत हो गई। हल्दौर थाना क्षेत्र के गांव फरीदपुर सधीरन निवासी संजय (44 वर्ष) पुत्र चंद्रभान सिंह के ससुर अमर सिंह निवासी गांव गंगोड़ा जट का निधन हो गया था। शुक्रवार को परिजन उनका अंतिम संस्कार करने गंगा बैराज पहुंचे थे। अंतिम संस्कार के बाद संजय गंगा में स्नान करने लगे। इसी दौरान वह अचानक गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। मौके पर मौजूद लोगों ने उन्हें बाहर निकालकर तत्काल उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। शहर कोतवाल अवनीत मान ने बताया कि शव पोस्टमार्टम को भेज दिया है।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

झालू (चिंगारी)। नगर के निकट रेलवे ट्रैक पर ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, ग्राम रसूलपुर आबाद निवासी राजन (28 वर्ष) पुत्र बचन सिंह गुरुवार रात करीब आठ बजे घर से झालू जाने को कहकर निकला था। देर रात तक घर वापस न लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। काफी खोजबीन के बाद भी जब उसका कोई सुराग नहीं मिला तो ग्रामीण भी तलाश में जुट गए। इसी दौरान एक व्यक्ति ने परिजनों को बताया कि उसने एक युवक को झालू रेलवे फाटक के पास देखा था। परिजन रेलवे ट्रैक की ओर पहुंचे, जहां राजन रेलवे लाइन के किनारे पड़ा मिला। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं जीआरपी ने घटना की जांच शुरू कर दी। परिजनों के अनुसार, राजन एक पटाखा फैक्ट्री में मजदूरी करता था, वह अपने पीछे पत्नी और दो छोटे बच्चों को छोड़ गया है।

ट्रेन की चपेट में आने से बुजुर्ग महिला की मौत

नगीना (चिंगारी)। ट्रेन की चपेट में आने से ग्राम हसन अलीपुर भोगन निवासी 60 वर्षीय प्रेमो देवी की मौत हो गई। सीओ राजेश सोलंकी ने बताया कि सुबह करीब 8:30 बजे प्रेमो देवी गांव के पास ही रेल पटरियों के करीब कुछ काम कर रही थी। बताया जाता है कि वो पटरियों को पार कर आगे जाना चाह रही थी। अचानक आई ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मृत्यु हो गई। उनका कहना है कि परिजन बिना पोस्टमार्टम कराए शव को अपने साथ ले गये।

पम्प के पास खड़े वाहनों से डीजल चोरी करने वाला गिरफ्तार

बिजनौर (चिंगारी)। शहर कोतवाली पुलिस ने पेट्रोल पंप के पास खड़े वाहन से डीजल चोरी करने के मामले का खुलासा करते हुए आरोपी ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने चोरी किया गया सामान बरामद करने के साथ ही घटना में प्रयुक्त ट्रक को भी सीज कर दिया।

पुलिस के अनुसार हीमपुर दीपा थाना क्षेत्र के गांव सब्दलपुर रेहरा निवासी मुकीम ने 15 जुलाई को कोतवाली शहर में तहरीर देकर बताया था कि उनकी गाड़ी पेट्रोल पंप के पास खड़ी थी। इसी दौरान ट्रक संख्या यूपी 23टी. 8458 के चालक ने वाहन से डीजल चोरी कर लिया और विरोध करने पर गाली-गलौज करते हुए फरार हो गया। तहरीर के आधार पर शहर कोतवाली पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। विवेचना के दौरान पुलिस ने गुरूवार को आरोपी इकराम पुत्र कलुआ, निवासी ग्राम मौहरका पट्टी, थाना गजरौला, जनपद अमरोहा को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किया गया सामान बरामद किया तथा घटना में प्रयुक्त ट्रक को मोटर वाहन अधिनियम की धारा 207 के तहत सीज कर दिया। शहर कोतवाल अवनीत मान ने बताया कि बरामदगी के आधार पर मुकदमे में संबंधित धारा भी बढ़ाई गई है। पुलिस आरोपी के खिलाफ विधिक कार्रवाई कर रही है।

गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय ने पीजी प्रवेश 2026-27 की अंतिम तिथियां घोषित कीं

मुरादाबाद (चिंगारी)। गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय, मुरादाबाद ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के स्नातकोत्तर (पीजी) पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन पंजीकरण एवं आवेदन प्रक्रिया की अंतिम तिथियां घोषित कर दी हैं। विश्वविद्यालय की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार मुरादाबाद, रामपुर, संभल, बिजनौर एवं अमरोहा जनपदों के राजकीय, सहायता प्राप्त, अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित संबद्ध महाविद्यालयों में संचालित पीजी पाठ्यक्रमों में प्रवेश समर्थ पोर्टल के माध्यम से किया जाएगा। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार ऑनलाइन प्रवेश प्रोफाइल पंजीकरण की प्रक्रिया 25 जून 2026 से प्रारंभ हो चुकी है। ऑनलाइन प्रवेश प्रोफाइल पंजीकरण की अंतिम तिथि 30 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है,जबकि छात्र-छात्राओं को विश्वविद्यालय अथवा संबंधित महाविद्यालय/कैंपस में रजिस्ट्रेशन फॉर्म के साथ आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 होगी। प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

पीएम मोदी ने किया धामपुर रेलवे स्टेशन का वर्चुअल लोकार्पण

धामपुर (चिंगारी)। धामपुर रेलवे स्टेशन के पुनर्निर्माण कार्य पूरा होने के बाद उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पंजाब के जालंधर से वर्चुअल माध्यम से किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री के साथ रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव भी मौजूद रहे। वहीं धामपुर रेलवे स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में धामपुर विधानसभा के विधायक अशोक कुमार राणा, ब्लॉक प्रमुख हेमलता, नगर पालिका अध्यक्ष चौधरी रवि कुमार सिंह सहित रेलवे अधिकारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने देशभर में रेलवे के आधुनिकीकरण और यात्री सुविधाओं के विस्तार को लेकर विभिन्न परियोजनाओं का शुभारंभ किया, जिनमें धामपुर रेलवे स्टेशन भी शामिल रहा। धामपुर रेलवे स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम उद्घाटन में धामपुर विधायक अशोक कुमार राणा और ब्लॉक प्रमुख हेमलता क्षमा हेमलता तथा नगर पालिका अध्यक्ष रवि चौधरी ने किया। इस दौरान रेलवे अधिकारियों और स्थानीय प्रशासन की मौजूदगी में कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा गया। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने प्रधानमंत्री के संबोधन को सुना और रेलवे स्टेशन के नये स्वरूप का स्वागत किया।

अब धामपुर रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को पहले की तुलना में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। पालिकाध्यक्ष रवि चौधरी ने धामपुर क्षेत्र के लोगों की समस्या को देखते हुए कुछ नई ट्रेनों के स्टॉपेज की मांग की, जिससे यात्रियों को अधिक सुविधा और बेहतर यात्रा अनुभव मिलने की उम्मीद है।

इस अवसर पर विधायक अशोक राणा ने कहा कि केंद्र सरकार रेलवे के विकास और यात्रियों की सुविधाओं को लगातार प्राथमिकता दे रही है। धामपुर रेलवे स्टेशन का आधुनिक स्वरूप क्षेत्र के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और स्थानीय लोगों को इसका सीधा लाभ मिलेगा।

बिजनौर में 2027 का चुनावी एजेंडा तय कर गये योगी

1003 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया

'जिन्ना बनाम गन्ना' का संदेश दिया

बिजनौर (चिंगारी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को बिजनौर व चांदपुर विधानसभा क्षेत्रों की जनता को 1003 करोड़ की 76 विकास परियोजनाओं की बड़ी सौगात दी। इस अवसर पर वर्धमान कॉलेज मैदान में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने जहां भारतीय जनता पार्टी के जनप्रतिनिधियों की हौसला अफजाई की, वहां विपक्ष पर तीखे प्रहार कर 2027 का चुनावी एजेंडा तय किया।

मुख्यमंत्री ने बिना किसी लाग-लपेट के कहा कि 2017 से पहले जो मुख्यमंत्री बिजनौर आने से यह कहकर कतराते थे कि बिजनौर अपशकुन है, वे सवयं अपशकुन थे, इसलिए बिजनौर उन्हें स्वीकार नहीं करता था। उन्होंने कहा कि आज का उत्तर प्रदेश भय, भ्रष्टाचार और माफियाराज से निकलकर विकास, निवेश और सुशासन के रास्ते पर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

अंबेडकर और योगेंद्र नाथ मंडल का जिक्र कर बड़ा राजनीतिक संदेश दिया

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने डॉ. भीमराव अंबेडकर और योगेंद्र नाथ मंडल का उल्लेख करते हुए बड़ा राजनीतिक संदेश दिया। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने अपना पूरा जीवन दलितों और वंचितों के अधिकारों के लिए समर्पित किया, जबकि योगेंद्र नाथ मंडल मुस्लिम लीग के बहकावे में आकर देश विभाजन के समर्थक बने और पाकिस्तान के पहले कानून मंत्री बने, लेकिन अंततः उन्हें वहां से जान बचाकर भागना पड़ा। मुख्यमंत्री ने तंज़ कसते हुए कहा कि आज यहां कुछ लोग योगेन्द्र नाथ मंडल बनना चाह रहे हैं। वे हिन्दुओं को आपस में लड़वाकर अपना स्वार्थ साधना चाहते हैं। मुख्यमंत्री ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों का उल्लेख करते हुए विपक्षी नेताओं की चुप्पी पर सवाल खड़े किये।

विकास नहीं दिखता तो लैपर्ड भेज दें?

अपने भाषण के दौरान मुख्यमंत्री ने खूब चुटकी ली। उन्होंने हंसते हुए बिजनौर में गुलदारों की मौजूदगी का जिक्र किया और कहा कि 'जिन लोगों को बिजनौर में हो रहा विकास दिखाई नहीं देता, मैंने प्रभारी मंत्री से कहा है कि यहां के लैपर्ड पकड़कर उनके घर भिजवा दिए जाएं।' मुख्यमंत्री की इस टिप्पणी पर सभा में मौजूद लोगों ने जोरदार तालियां बजाईं और ठहाके लगाए।

यहां का मौसम सुहाना लगे, मुझे अच्छा यहां आना लगे...

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब मैं यहां पहुंचा तो बिजनौर का मौसम सुहावना था। पहले यहां गंदगी का साम्राज्य होता था, अब बिजनौर को सफाई के लिये जाना जाता है। यह देखकर अच्छा लगा कि सड़क के एक ओर जिला बार एसोसिएशन के अधिवक्ता, व्यापारी, किसान, युवा और महिलाएं अपने हाथों में स्वागत की पट्टिकाएं लिये हुये खड़े थे। उन्होंने कहा कि आज बिजनौर सहित पूरे उत्तर प्रदेश की तस्वीर बदल चुकी है। अब यह बीमारु राज्य नहीं रहा।

उन्हें जिन्ना पसंद था, हमें गन्ना पसंद है

गन्ना किसानों का मुद्दा उठाते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा, 'विपक्ष को जिन्ना पसंद था, लेकिन हमें और यहां की जनता को गन्ना पसंद है।' मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले किसानों को गन्ना भुगतान के लिए वर्षों तक इंतजार करना पड़ता था, लेकिन डबल इंजन सरकार ने समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित किया है।

मुख्यमंत्री को गदा भेंट करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष भूपेन्द्र चौहान बॉबी

नगीना के वुडक्राफ्ट की सराहना

मुख्यमंत्री ने नगीना के विश्वप्रसिद्ध वुडक्राफ्ट उद्योग, स्थानीय कारीगरों, व्यापारियों और युवाओं की मेहनत की खुलकर सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अब योजनाओं का लाभ बिना किसी भेदभाव और भ्रष्टाचार के सीधे पात्र लोगों तक पहुंच रहा है। राशन वितरण से लेकर विभिन्न सरकारी योजनाओं तक पूरी व्यवस्था डिजिटल निगरानी के दायरे में है, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ी है।

बीमारू से टॉप-3 तक पहुंचा उत्तर प्रदेश

अपने संबोधन के अंत में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कभी बीमारू राज्यों में गिने जाने वाला उत्तर प्रदेश आज देश के टॉप-3 राज्यों में अपनी मजबूत पहचान बना चुका है। उन्होंने कहा कि यह बदलाव संघर्ष, सामर्थ्य और समन्वय का परिणाम है। मुख्यमंत्री ने जनता को भरोसा दिलाया कि 'बिना रुके, बिना झुके, बिना थके' डबल इंजन सरकार सुरक्षा, सुशासन और समृद्धि के लक्ष्य के साथ प्रदेश के विकास का अभियान निरंतर जारी रखेगी।

पौधारोपण करते हुए मुख्यमंत्री साथ में विधायक सुशांत सिंह।

मृतक होमगार्ड के परिजनों को सौंपा 38 लाख का चेक

बिजनौर (चिंगारी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने बिजनौर दौरे के दौरान ड्यूटी के दौरान दुर्घटना में जान गंवाने वाले होमगार्ड गजराज सिंह के परिजनों को 38 लाख रुपये का चेक प्रदान किया। जिला कमांडेंट होमगार्ड्स वेदपाल सिंह चपराना ने बताया कि गजराज सिंह की 4 अक्टूबर 2025 को सड़क दुर्घटना में उपचार के दौरान मृत्यु हो गई थी। विभाग ने तत्काल 5 लाख रुपये की राहत राशि दी थी। एक्सिस बैंक की दुर्घटना बीमा योजना के तहत उनकी पत्नी संजो देवी को 30 लाख रुपये तथा बच्चों की शिक्षा के लिए 8 लाख रुपये प्रदान किए गए। इस अवसर पर कमांडेंट चपराना ने बताया कि मृतक के पुत्र की होमगार्ड में भर्ती की प्रक्रिया भी चल रही है। कार्यक्रम में एक्सिस बैंक के प्रबंधक अमित चौहान, ब्रांच सेल्स मैनेजर बिपुल सोराना सहित विभागीय अधिकारी एवं मृतक के परिजन उपस्थित रहे।

गन्ने की मिठास के साथ विकास की पहचान बना बिजनौर- योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में कहा कि बिजनौर गन्ने की मिठास और समृद्धि के लिए पूरे प्रदेश में अपनी अलग पहचान रखता है। उन्होंने कहा कि आज का बिजनौर विकास और स्वच्छता का संदेश दे रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले जिले में गंदगी की स्थिति थी, लेकिन अब यहां व्यापक बदलाव दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि बिजनौर में आज बेहतर हाईवे, रेलवे, मेडिकल कॉलेज जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं और किसानों को समय पर गन्ना भुगतान मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेडिकल कॉलेज के बाद अब बिजनौर नर्सिंग कॉलेज भी बनने जा रहा है, जिससे जिले की बेटियों को नर्सिंग की शिक्षा के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा और उन्हें स्थानीय स्तर पर बेहतर अवसर मिलेंगे।

बिजनौर की महान विभूतियों को किया नमन

बिजनौर (चिंगारी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन की शुरुआत बिजनौर की ऐतिहासिक, साहित्यिक और बौद्धिक विरासत को नमन करते हुए की। उन्होंने जिले की महान विभूतियों को याद करते हुए महान समालोचक पंडित पद्म सिंह शर्मा, संपादक आचार्य पंडित रुद्रदत्त शर्मा, अबुल फज़ल फैज़ी, हिंदी ग़ज़ल के प्रख्यात रचनाकार दुष्यंत कुमार त्यागी, स्वतंत्रता सेनानी महावीर सिंह त्यागी, महान वैज्ञानिक डॉ. आत्माराम तथा संविधान विशेषज्ञ डॉ. सुभाष कश्यप को श्रद्धापूर्वक नमन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन महान हस्तियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में देश और समाज को नई दिशा दी है और बिजनौर को राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है।

"अब माफियाओं का नहीं, कानून का राज

मुख्यमंत्री ने प्रदेश की कानून-व्यवस्था को सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि आज का बिजनौर अपराध और माफियाओं से मुक्त होकर सुरक्षित जिले के रूप में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने वर्ष 2016 में सहसपुर में एनआईए के डिप्टी एसपी और उनकी पत्नी की निर्मम हत्या की घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि उस दौर की अराजकता अब इतिहास बन चुकी है। उन्होंने दोटूक कहा कि जो कानून तोड़ेगा, उसे परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज प्रदेश में बेटियां, व्यापारी और कांवड़ यात्री खुद को सुरक्षित महसूस कर रहे हैं और अपराधियों में कानून का भय स्पष्ट दिखाई देता है।

मंच से इन नेताओं का किया उल्लेख

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन के दौरान मंचासीन जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठ नेताओं का नाम लेकर उनका अभिवादन किया। उन्होंने प्रभारी मंत्री कपिल देव अग्रवाल, सांसद चंदन चौहान, विधायक ओमकुमार, अशोक राणा, सुशांत सिंह, सुचि चौधरी, एमएलसी अशोक कटारिया, हरी सिंह ढिल्लो और जयपाल व्यस्त का उल्लेख किया। मुख्यमंत्री ने इसके अलावा भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष नवाब सिंह नागर, जिलाध्यक्ष भूपेंद्र चौहान बॉबी, भाजपा नेता ऐश्वर्य मौसम चौधरी, प्रदेश मंत्री दीपमाला संतोषी, क्षेत्रीय मंत्री अनूप वाल्मीकि, हरजिंदर कौर, राज्य महिला आयोग की सदस्य अवनी सिंह और संगीता अग्रवाल, पूर्व सांसद भारतेंद्र सिंह, पूर्व मंत्री महावीर सिंह, पूर्व विधायक कमलेश सैनी, सीपी सिंह, राष्ट्रीय लोकदल के जिलाध्यक्ष ओमपाल कश्यप, जिला पंचायत अध्यक्ष साकेंद्र प्रताप सिंह, चेयरपर्सन श्रीमती इंदिरा सिंह सहित सभी जनप्रतिनिधियों और पदाधिकारियों का नाम लेकर उनका आभार व्यक्त किया।

सुचि व मौसम चौधरी की मेहनत रंग लाई, योगी जी ने पीठ थपथपाई

बिजनौर (चिंगारी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दौरे से बिजनौर में उत्सव जैसा माहौल रहा। इस अवसर पर सदर विधायक सुचि चौधरी एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता ऐश्वर्य मौसम चौधरी ने जिस आत्मीयता, समर्पण और संगठनात्मक क्षमता के साथ मुख्यमंत्री का स्वागत कराया, उसने पूरे कार्यक्रम को विशेष गरिमा प्रदान की। मुख्यमंत्री ने भी विधायक सुचि चौधरी व उनके पति एवं वरिष्ठ भाजपा नेता मौसम चौधरी को सम्मान दिया। सुचि व मौसम ने जब मुख्यमंत्री को शिवजी की प्रतिमा भेंट की तो योगी जी ने मौसम चौधरी की पीठ पर हाथ रखकर उन्हें अपना आशीर्वाद दिया।

बुलडोज़रों की अनूठी प्रस्तुति बनी आकर्षण का केंद्र

स्वागत की सबसे विशेष झलक नजीबाबाद रोड पर देखने को मिली, जहां कई बुलडोज़र सजाकर खड़े किए गए थे। इन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ सुचि चौधरी और ऐश्वर्य मौसम चौधरी के चित्र लगाए गए थे। मुख्यमंत्री की कार्यशैली के प्रतीक बन चुके बुलडोज़रों की यह प्रस्तुति लोगों के बीच चर्चा का विषय रही।

वर्धमान कॉलेज मैदान में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सदर विधायक सुचि चौधरी और ऐश्वर्य मौसम चौधरी को मंच पर विशेष तवज्जो दी। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने सुचि और मौसम चौधरी का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने रेलवे फाटक पर फ्लाईओवर निर्माण की मांग रखी है। इस दिशा में शीघ्र कार्य शुरू कराया जाएगा।

'नीट' में वेक्टर एकेडमी का दबदबा रहा

16 छात्रों का सरकारी मेडिकल कालेज में प्रवेश निश्चित

बिजनौर (चिंगारी)। विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी नीट 2026 के परिणामों में वेक्टर एकेडमी, बिजनौर का दबदबा कायम रहा। एकेडमी की संचालिका एवं काउंसलिंग एक्सपर्ट श्रीमती कल्पना त्यागी ने बताया कि संस्थान के लगभग 16 छात्रों का सरकारी मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश निश्चित है, जिनमें 7 छात्र एमबीबीएस, 4 छात्र बीडीएस तथा अन्य छात्र बीएएमएस एवं बीएचएमएस जैसे पाठ्यक्रमों में सरलता से सरकारी कॉलेज प्राप्त कर लेंगे। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि को साझा करने के लिए एकेडमी परिसर में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। सभी सफल विद्यार्थी अपने अभिभावकों के साथ एकेडमी पहुंचे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन के साथ हुआ, जिसके पश्चात मिठाई वितरण कर सभी ने अपनी खुशी साझा की। इस अवसर पर संचालक एवं फिजिक्स शिक्षक अंकित त्यागी, संचालिका श्रीमती कल्पना त्यागी, केमिस्ट्री एचओडी श्री मोहित सिंह और बायोलॉजी शिक्षक श्री राजन चौधरी उपस्थित रहे और सभी ने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

सफल विद्यार्थियों का विवरण

शगुन चौधरी (पुत्री श्री इंदर राज सिंह, निवासी बिजनौर) – 579 अंक, ईडब्ल्यूएस कैटेगरी रैंक 2129।

गरिमा सिंह (पुत्री श्री जितेंद्र सिंह, निवासी पनहेरी) – 566 अंक जनरल कैटेगरी रैंक 9582, फिजिक्स में 99.4 परसेंटाइल।

उदित राज (पुत्र श्री राजेंद्र कुमार, निवासी बिजनौर) – कैटेगरी रैंक 4265 (12वीं के साथ)।

कार्तिक सिंह सहगल (निवासी बिजनौर)– कैटेगरी 12839 रैंक (12वीं के साथ)।

तुषार (निवासी झलरी)– 8113 कैटेगरी रैंक, एमबीबीएस सीट सुनिश्चित।

धैर्य प्रकाश (पुत्र श्री ओम प्रकाश, निवासी वीआईपी कॉलोनी, बिजनौर) – कैटेगरी रैंक 9980।

इनके अतिरिक्त **दीपांशी शर्मा** (540), **अनुष्का चौधरी** (545), **लक्ष्य चौधरी** (523), **राशि** (520), **आकांशु** (530) समीरा (519),**नीति** (510),**उबैद** (500) और **तनिष्का** (528) सहित लगभग 10 छात्रों ने भी 500 से अधिक अंक प्राप्त कर संस्थान का नाम रोशन किया है।

बीए षष्ठम सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम घोषित

नजीबुर्रहमान खान ने प्राप्त किया प्रथम स्थान

किरतपुर (चिंगारी)। मौलाना मौहम्मद अली जौहर हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूट, किरतपुर (बिजनौर) का बी.ए. षष्ठम सेमेस्टर 2025-26 का परीक्षा परिणाम घोषित हुआ। जिसमें नजीबुर्रहमान खान ने 67.7 प्रतिशत अंक के साथ प्रथम स्थान, इकरा खातून ने 66.8 प्रतिशत अंक के साथ द्वितीय स्थान और अर्शी उजमा ने 65.9 प्रतिशत अंक के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर कॉलेज के प्रबन्धक मौहम्मद साईम राजा साहब ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई दी और कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मोहित बंसल जी ने विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए आदर्श नागरिक बनकर देश एवं समाज सेवा करने का आह्वान किया। बी.ए. विभाग के प्रवक्ता डॉ. शमशाद हुसैन, डॉ. अनुज कुमार राजपूत डॉ, चारू बंसल, डॉ. अजय कुमार राणा व श्री मोहम्मद निशात ने सभी सफल छात्र-छात्राओं को भविष्य में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

कलेक्ट्रेट में बेमियादी डेरा डालेगी भाकियू

जिलाध्यक्ष सुनील प्रधान ने किया ऐलान

बिजनौर (चिंगारी)। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) ने किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर 21 जुलाई को जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट पर अनिश्चितकालीन आंदोलन करने की घोषणा की है। इसकी जानकारी आज गन्ना समिति परिसर में आयोजित प्रेस वार्ता में दी गई।

जिलाध्यक्ष सुनील प्रधान ने बताया कि राष्ट्रीय नेतृत्व के आह्वान पर आयोजित इस आंदोलन में जिल भर से किसान शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित अमेरिका ट्रेड डील से देश के किसानों को भारी नुकसान होगा और किसान आत्मनिर्भर बनने के बजाय आर्थिक संकट का सामना करेंगे। उन्होंने बताया कि बिलाई शुगर मिल पर किसानों का गन्ना भुगतान लंबे समय से लंबित है। इसके अलावा किसानों पर बिना निष्पक्ष जांच के मुकदमे दर्ज किए जा रहे हैं। उपभोक्ताओं की सहमति के बिना बिजली कनेक्शनों का भार बढ़ाया जा रहा है। राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण के लिए अधिग्रहित की जाने वाली भूमि का मुआवजा बाजार भाव के अनुरूप दिया जाए तथा सर्किल रेट में वृद्धि की जाए।

जिलाध्यक्ष ने बताया रावली से बालावाली तथा जलीलपुर के सामने गंगा नदी के किनारे पक्का तटबंध बनाए जाने, किसानों को यूरिया, डीएपी सहित अन्य उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने सहित विभिन्न मांगों को भी प्रमुखता से आंदोलन में उठाया जायेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि 21 जुलाई को कलेक्ट्रेट पर शुरू होने वाला आंदोलन मांगें पूरी होने तक जारी रहेगा। प्रेस वार्ता में राजेंद्र सिंह, अंकुर चौधरी, दिनेश कुमार, राम अवतार सिंह, नरदेव सिंह, मुकेश, कुलदीप सिंह, संदीप त्यागी, विनीत मौर्य आदि मौजूद रहे।

हनी तोमर ने हैलीपेड पर किया स्वागत

चांदपुर (चिंगारी)। युवा रालोद के क्षेत्रीय अध्यक्ष रूहेलखंड हनी तोमर भी अपने समर्थकों के साथ मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ के कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान हेलीपैड पर हनी तोमर ने मुख्यमंत्री का अभिवादन व स्वागत किया। इस अवसर पर वहां भाजपा के वरिष्ठ नेता पुष्कर सिंह आदि भी मौजूद थे।

कपिल चौधरी के नेतृत्व में भाजपाई पहुंचे बिजनौर

चांदपुर (चिंगारी)। वरिष्ठ भाजपा नेता एवं ब्लाक प्रमुख पुत्र कपिल चौधरी अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए बिजनौर गये। बिजनौर जाने वाले कार्यकर्ताओं में भारी जोश था। शुक्रवार को क्षेत्र के कोने कोने से आए बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता नगर के मुहल्ला गोकुल नगर स्थित वरिष्ठ भाजपा नेता कपिल चौधरी के आवास पर इकट्ठा हुए तथा वहां से वरिष्ठ नेता कपिल चौधरी के नेतृत्व में वाहनों में सवार होकर बिजनौर में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। वरिष्ठ नेता एवं ब्लाक प्रमुख कपिल चौधरी ने कहा कि जब से उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी है,तबसे बिजनौर सहित पूरे उत्तर प्रदेश में विकास की गंगा बह रही है। उन्होंने श्री योगी आदित्यनाथ जबसे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने हैं, तब से प्रदेश खुशहाली की ओर अग्रसर है। समाज का सभी वर्ग खुश है। पिछली सरकार में बहन बेटी घर से बाहर निकलते हुए घबराती थी, भाजपा सरकार में वे बैखौफ होकर घर से निकलती है। भाजपा सरकार में व्यापारी वर्ग अपने आपको सुरक्षित माना रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में तीसरी बार भी भाजपा की पूर्ण बहुमत से सरकार बनेगी।

डाक्टर का अपाइंटमेंट लिया था, खाते से लाखों साफ हो गये

चांदपुर (चिंगारी)। साइबर अपराधियों ने दो और लोगों के बैंक एकाउंट से 3लाख 25हजार साफ कर दिये। नगर के मुहल्ला सरायरफी निवासी अमोल कुमार सिंह ने बताया कि उसने डाक्टर का अपाइंटमेंट लेने के लिए 6 जुलाई को एप्लाई किया था। 11 जुलाई को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में स्थित बैंक अकाउंट से 9 बार में 2 लाख 50 हजार 541 रुपये निकाल लिये गये, जो अलग-अलग बैंक खातों में ट्रांसफर हुए। वहीं दूसरी ओर मुहल्ला सरायरफी निवासी नवोदिता चौधरी ने बताया कि उसने डाक्टर का अपाइंटमेंट लेने के लिए 6 जुलाई को एप्लाई किया था, 13 जुलाई को उसके पंजाब नेशनल बैंक स्थित बैंक अकाउंट से 75 हजार रुपए निकाल लिये गये। पुलिस ने तहरीर के आधार पर दोनों मामलों की रिपोर्ट दर्ज कर ली। मालूम हो कि इससे पूर्व भी साइबर अपराधी अनेकों लोगों के बैंक एकाउंट से लाखों रुपए साफ कर चुके हैं।

नेहरू स्टेडियम में हुई हॉकी प्रतियोगिता

खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते हुए मुख्य अतिथि श्री गय्यूर आसिफ।

बिजनौर (चिंगारी)। आज नेहरू स्टेडियम में बालक और बालिकाओं की एक दिवसीय मण्डलीय नेहरू हॉकी प्रतियोगिता आयोजित की गयी। प्रतियोगिता का शुभारम्भ आरजेपी इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य गय्यूर आसिफ ने खिलाडियों से परिचय प्राप्त कर किया। इस अवसर पर प्रतियोगिता के पर्यवेक्षक मो. मारूफ प्रधानाचार्य जीआईसी विशेष रूप से मौजूद रहे। मुख्य अतिथि गय्यूर आसिफ ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह प्रतियोगिता खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने का उत्कृष्ट अवसर प्रदान करेगी। प्रतियोगिता में बिजनौर, मुरादाबाद, रामपुर, अमरोहा की टीमों ने प्रतिभाग किया। पहले मैच में रामपुर ने बिजनौर की टीम को शून्य के मुकाबले 3 गोल से पराजित किया। प्रतियोगिता के रेफरी अनमोल, वरुण, अक्षित और चित्रा चौहान रहे। खेल सचिव प्रभात कुमार, मो. यूनुस, अजय शर्मा, नरेन्द्र सिंह, निसित दास, मनोज एवं प्रतियोगिता चयन ऑफिसर मंजीत सिंह अमरोहा तथा कई हॉकी खिलाड़ी मौजूद रहे।

योगी जी ने बढ़ाया ओम कुमार का कद, भाजपा कार्यकर्ता गद्‌गद्

बिजनौर (चिंगारी)। कल वर्धमान कालेज मैदान में आयोजित जनसभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने भाषण के दौरान नहटौर विधायक ओम कुमार का विशेष रूप से उल्लेख किया।

मुख्यमंत्री के साथ मंच साझा करते हुए विधायक ओम कुमार।

गन्ना मूल्य की बात करते हुये मुख्यमंत्री ने जिन नेताओं का नाम लिया, उनमें सबसे पहला नाम ओम कुमार का लिया। कहा कि नहटौर विधायक ओम कुमार अपने क्षेत्र की समस्याओं के समाधान और जनता के हित की योजनाओं को लेकर अक्सर उनसे मिलते हैं और विधानसभा में भी जनता के मुद्दों को उठाते हैं।

मुख्यमंत्री ने ओम कुमार की कार्यशैली की प्रसंशा करते हुए कहा कि वे क्षेत्र के सर्वांगीण विकास, आधारभूत सुविधाओं के विस्तार, जन समस्याओं के त्वरित समाधान तथा सरकार की योजनाओं का लाभ प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचाने का प्रयास करते हैं। विधायक ओम कुमार ने मुख्यमंत्री द्वारा मिले आशीर्वाद को अपने क्षेत्र की जनता के विश्वास का सम्मान बताया।

नगर पालिका परिवार ने दमदार उपस्थिति दर्ज कराई

सफाई व्यवस्था के लिये मुख्यमंत्री से सराहना पाई

बिजनौर (चिंगारी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यक्रम में नगर पालिका परिवार जोश-ओ-खरोश से शामिल हुआ। पालिका अध्यक्ष श्रीमती इन्दिरा सिंह एवं वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. बीरबल सिंह के नेतृत्व में सभासदों तथा भारी संख्या में अन्य लोग नारेबाजी करते हुए सभा में शामिल हुये। इससे पूर्व सभी लोग नगर पालिका चौक पर जमा हुये और वहां से पदयात्रा करते हुए सभा स्थल वर्धमान कॉलेज मैदान पहुंचे। इस दौरान पालिकाध्यक्ष व सभासदों का उत्साह देखते ही बनता था।

पालिकाध्यक्ष इन्दिरा सिंह एवं डॉ. बीरबल सिंह के नेतृत्व में मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में जाते हुए सभासद व अन्य लोग।

हैलीपेड पर मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए नामित सभासद आशीष अग्रवाल एवं भाजपा प्रबुद्ध प्रकोष्ठ के संयोजक पवन चौहान।

पालिका अध्यक्ष इन्दिरा सिंह एवं भाजपा नेता डॉ. बीरबल सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बिजनौर दौरे से भाजपा कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार हुआ है। डा. बीरबल सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ विकास और सनातन के प्रतीक हैं। उनके कुशल नेतृत्व में उत्तर प्रदेश आज देश का अग्रणी राज्य है, जो निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है।

बता दें कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बिजनौर आगमन पर नगर पालिका परिषद ने चेयरपर्सन श्रीमती इन्दिरा सिंह के निर्देश पर नगर में सफाई की विशेष व्यवस्था की थी, जिसकी स्वयं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंच से सराहना की।

सड़क निर्माण पूर्ण होने पर भाकियू नेता का अंगवस्त्र देकर स्वागत किया

मंडावली/नजीबाबाद (चिंगारी)। क्षेत्र के मंडावली गांवड़ी मार्ग का निर्माण पूर्ण होने पर क्षेत्र के ग्रामीणों ने भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के प्रांतीय उपाध्यक्ष चौधरी बलराम सिंह का अंगवस्त्र देकर स्वागत किया। इस महत्वपूर्ण जनहितकारी कार्य के लिए उनका आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके निरंतर प्रयासों एवं लोक निर्माण विभाग के सहयोग से लंबे समय से लंबित इस सड़क का निर्माण संभव हो सका। इस अवसर पर भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के गांवड़ी निवासी ब्लॉक संरक्षक जितेंद्र सिंह एवं उनके भाई रविंद्र सिंह के आवास पर संगठन के पदाधिकारियों का भी गर्मजोशी से स्वागत किया गया। कार्यक्रम में ग्रामीणों एवं संगठन के कार्यकर्ताओं ने क्षेत्र के विकास कार्य पर प्रसन्नता व्यक्त की। ग्रामीणों ने बताया कि गांवड़ी-मंडावली मार्ग बनने से आसपास के अनेक गांवों के लोगों को आवागमन की बेहतर सुविधा मिलेगी। स्कूल जाने वाले बच्चों के लिए सुरक्षित एवं सुगम मार्ग उपलब्ध हुआ है। किसानों को अपनी कृषि उपज मंडियों तक पहुंचाने में आसानी होगी तथा ग्रामीणों का समय व परिवहन व्यय भी कम होगा। क्षेत्रवासियों ने इसे क्षेत्र के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। इस अवसर पर भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के ब्लॉक अध्यक्ष चौधरी कुलबीर सिंह, नवीन राजपूत, बुन्दू मकरानी, पुनीत चौहान, मुनेंद्र सिंह, भूपेंद्र सिंह, ललित कुमार, गौरव कुमार, चुन्नू सिंह, कुलबीर सिंह, गौरव देशवाल, प्रीतम सिंह, रणवीर सिंह, देवराज सिंह, नीटू सिंह, बिट्टू, रामदेव सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

महिलाओं ने प्रकृति संरक्षण का प्रतीक हरेला पर्व मनाया

मंडावली/नजीबाबाद (चिंगारी)। राष्ट्रीय विकास संगठन बिजनौर व कल्याणी फाउंडेशन की महिला सदस्यों ने प्रकृति संरक्षण का प्रतीक हरेला पर्व मनाया। देवभूमि उत्तराखंड का लोक पर्व हरेला जी रयां जागी रयां प्रकृति का यह उत्सव सुख समृद्धि हरियाली व उत्तम स्वास्थ्य लेकर आए यह संदेश लेकर कल्याणी फाउंडेशन व राष्ट्रीय विकास संगठन की महिला सदस्यों ने कंपोजिट स्कूल इब्राहीमपुर बाबन में सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ पौधारोपण भी किया। फाउंडेशन की प्रबंधिका वन्दना कोटनाला द्वारा बच्चों को पर्यावरण सुरक्षा की जानकारी दी गई। वंदना कोटनाला ने बताया हरेला त्यौहार उत्तराखंड का पारंपरिक लोक पर्व है। हरेला पर्व को उत्तराखंड में हरियाली सुख समृद्धि व पर्यावरण संरक्षण के त्यौहार के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर ट्रस्ट के सदस्य नेहा ध्यानी, अनुसूया रावत, मंजू बुडाकोटी, पिंकी डबराल, नीतू जुयाल, कीर्ति देवरानी मौजूद रही। साथ ही विद्यालय के जितेंद्र सिंह इंचार्ज अध्यापक, अनुराग पांडे, नेहा ढोंढ़ियाल, आराधना, लक्ष्मी का सहयोग रहा। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालय के बच्चों को भोजन भी कराया गया।

बीए में मौ. सऊद ने किया कॉलेज टॉप

नजीबाबाद (चिंगारी)। महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय, बरेली द्वारा घोषित परीक्षा परिणाम के अनुसार नार्थ इंडिया ग्रुप ऑफ़ कॉलेजेस के बीए फाइनल में मौ. सऊद अंसारी ने क्लास में सर्वाधिक 70.20 प्रतिशत अंकों के साथ प्रथम, हंशिका राज सिंह ने 68.40 प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय एवं शाजिया परवीन ने 66.80 प्रतिशत अंकों के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर नार्थ इण्डिया ग्रुप आफ कालेजस प्रबन्ध निदेशक इंजी. अवनीश अग्रवाल, कार्यकारी निदेशक इंजी. अभिनव अग्रवाल, कॉलेज प्राचार्या डॉ. नीलावती व विभागाध्यक्ष डॉ. जसवन्त सिंह ने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सभी विद्यार्थियों को आशीर्वाद देते हुए संस्थान के प्रबन्ध निदेशक इंजी. अवनीश अग्रवाल ने सभी छात्र-छात्राओं से कहा कि निश्चित ही परिश्रम का परिणाम सुखद व प्रेरणादायी होता है, जो विद्यार्थी टॉप करते हैं, वे अपना, अपने परिवार व गुरुजनों का नाम भी रोशन करते हैं। प्राचार्या डॉ. नीलावती ने बताया कि नियमित क्लासेज अटेंड करने वाले विद्यार्थियों के परीक्षा परिणाम वास्तव में प्रशंसनीय होते हैं। बीए विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. जसवन्त सिंह ने इस उपलब्धि का श्रेय सहायक प्राध्यापक प्रदीप कुमार, मनोज कुमार, समसपाल सिंह व अन्य प्रवक्ताओं को दिया।

रोबोट तकनीक के विषय में कार्यशाला का आयोजन किया गया

मंडावली/नजीबाबाद (चिंगारी)। सेंट मेरिस इंटर कॉलेज मंडावली में विद्यालय के फादर जोंस आलूकल, प्रधानाचार्य सिस्टर शीबा अगस्टी के निर्देशन में वायर्ड रोबोट तकनीक के विषय में एक कार्यशाला आयोजित की, जिसमें प्रशिक्षकों द्वारा कॉलेज के कक्षा 9 से 12 तक के छात्र-छात्राओं को रोबोटिक मशीन के विषय में विस्तार से बताते हुए उसके द्वारा कार्य करने की जानकारी दी गई। रोबोट तकनीक की जानकारी सृष्टि रावत, हिमांशी, अनुज, अभय, वंश, कृष्णा, वैभव की टीम ने छात्र-छात्राओं को बताया कि जिस प्रकार हमारा मस्तिष्क कार्य करता है अर्थात मस्तिष्क हमारे शरीर के अंगों को कार्य करने के लिए आदेशित करता है, उसी प्रकार रोबोलोजिक मशीन रोबोट का दिमाग होता है। किसी भी रोबोटिक मशीन में डीसी मोटर, चेसिस, कैस्टर वील जो कि 360 डिग्री पर घूमता है। इस सभी के विषय में विस्तार से बताया कि इनका कनेक्शन किस प्रकार से किया जाता है, इनके क्या-क्या कार्य है और यह किस प्रकार से काम करते है सभी को विस्तृत जानकारी दीं।

कैप्शन-कार्यशाला में प्रतिभाग करते विद्यार्थी।

डा. दिलीप ने 4 माह के मासूम की जटिल सर्जरी से बचाई किडनी

बिजनौर (चीनगरी)। जनरल, लैप्रोस्कोपिक एवं पीडियाट्रिक सर्जन डा. दिलीप सिंह (एम.सीएच.) ने एक बार फिर अपनी विशेषज्ञता का परिचय देते हुए जन्मजात गंभीर बीमारी से पीड़ित चार माह के मासूम बच्चे की सफल सर्जरी कर उसकी किडनी को सुरक्षित बचा लिया।

डा.दिलीप के अनुसार बच्चे के पेट के दाहिने हिस्से में गांठ महसूस होने पर परिजन उसे उपचार के लिए लेकर पहुंचे। जांच के दौरान अल्ट्रासाउंड में पता चला कि बच्चे को जन्मजात पेल्वियूरेटेरिक जंक्शन (क्ष्ह्) अवरोध है। इसके बाद डीटीपीए (झ्ऊक्र) रीनल स्कैन कराया गया, जिसमें प्रभावित किडनी की कार्यक्षमता काफी कम पाई गई। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए राज हॉस्पिटल, शहनाई बैंक्वेट हॉल के सामने, जजी चौक, बिजनौर में डा. दिलीप सिंह ने सफलतापूर्वक पाइलोप्लास्टी (क्ष्र्दद्यध्थ्र्द्यड्ढद्मह्4) सर्जरी की। ऑपरेशन के दौरान किडनी और यूरेटर के अवरुद्ध हिस्से को जोड़कर मूत्र का प्रवाह सामान्य किया गया। सर्जरी सफल रही और अब बच्चे की हालत पहले से बेहतर है। डा. दिलीप सिंह ने बताया कि क्ष्ह् अवरोध बच्चों में होने वाली जन्मजात बीमारी है, जिसमें किडनी से मूत्राशय तक मूत्र ले जाने वाली नली के शुरुआती हिस्से में रुकावट या संकुचन हो जाता है। समय पर उपचार न मिलने पर किडनी की कार्यक्षमता प्रभावित हो सकती है और स्थायी नुकसान का खतरा बढ़ जाता है। उन्होंने बताया कि इस बीमारी की पहचान के लिए अल्ट्रासाउंड और डीटीपीए रीनल स्कैन जैसी जांचें की जाती हैं। यदि रुकावट गंभीर हो तो पाइलोप्लास्टी सर्जरी सबसे प्रभावी उपचार है। समय पर इलाज से बच्चों की किडनी को सुरक्षित रखा जा सकता है।

डा. दिलीप सिंह ने अभिभावकों से अपील की कि यदि नवजात या छोटे बच्चों के पेट में गांठ महसूस हो, बार-बार मूत्र संक्रमण हो या अन्य असामान्य लक्षण दिखाई दें तो बिना देरी किए बाल शल्य रोग विशेषज्ञ से परामर्श लें। उन्होंने कहा कि समय पर जांच और उचित उपचार से बच्चों को गंभीर जटिलताओं से बचाया जा सकता है।

वैष्णवी ने पास की नीट परीक्षा

अफजलगढ़ (चिंगारी)। नगर के मोहल्ला चिरंजीलाल निवासी शेफाली राजवंशी एवं पंकज राजवंशी की पुत्री वैष्णवी राजवंशी ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) में शानदार प्रदर्शन करते हुए 635 अंक हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। वैष्णवी द्वारा नीट की परीक्षा उत्तीर्ण करने पर परिवार में खुशी का माहौल है और परिजनों, रिश्तेदारों व शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं। वैष्णवी ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता पंकज राजवंशी और शेफाली राजवंशी तथा गुरुजनों को दिया। उन्होंने कहा कि कठिन परिश्रम, नियमित अध्ययन और लक्ष्य के प्रति निरंतर समर्पण से सफलता प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने भविष्य में चिकित्सा क्षेत्र में आगे बढ़कर समाज की सेवा करने की इच्छा जताई है।

2027 में उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनेगीः अमजद

नजीबाबाद (चिंगारी)। कांग्रेस पार्टी के युवा नेता अमजद सिद्दीकी ने कहा है कि 2027 में उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी पूर्ण बहुमत से सरकार बनाएगी। यह उनका अनुमान है क्योंकि, उत्तर प्रदेश की जनता काफी परेशान है। बेरोजगारी व महंगाई कम तथा शिक्षा कांग्रेस की सरकार बनने पर ही मिल सकती है। उन्होंने कहा कि मौहल्ला मुगलूशाह की जलभराव की समस्या का समाधान कराया जाएगा। जलभराव की समस्या से क्षेत्रवासी काफी परेशान है।

भाकियू प्रधान के संगठन विस्तार पर चर्चा, नशे के खिलाफ सख्त संदेश

नजीबाबाद (चिंगारी)। गायत्री शक्तिपीठ, जयनगर कॉलोनी में भारतीय किसान यूनियन (प्रधान) की युवा बैठक जोश व उत्साह के बीच संपन्न हुई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में युवा मंडल अध्यक्ष मुरादाबाद भूपेंद्र सिंह चाहल व देव जिंघाला रहे, जिनका कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। बैठक की अध्यक्षता अरुण चौधरी एवं संचालन व्यापार प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष रामोद कुमार ने किया। बैठक का मुख्य फोकस संगठन विस्तार रहा, जहां कई युवाओं को नई जिम्मेदारियां सौंपी गईं। नेताओं ने साफ संदेश दिया कि अब संगठन गांव-गांव तक अपनी पकड़ मजबूत करेगा। सबसे खास बात में युवाओं को नशे से दूर रहने की सख्त चेतावनी दी गई। वक्ताओं ने कहा कि नशा युवा शक्ति को कमजोर करता है, इसलिए इससे दूर रहकर समाज व किसानहित में काम करना ही असली जिम्मेदारी है। इस मौके पर युवा जिला अध्यक्ष आकाश डवास, अरुण चैधरी, अवनीश चैधरी, दलवीर चैधरी, नीरज बालियान सहित महिला मोर्चा से फिरोज, हसीना आदि काफी पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

इमरान मसूद बातें न बनायें, गठबंधन का धर्म निभायेंः मुनव्वर अली

नजीबाबाद (चिंगारी)। समाजवादी पार्टी के संस्थापक सदस्य मुनव्वर अली ने कहा है कि सहारनपुर के सांसद इमरान मसूद को बातें न बनाकर गठबंधन का धर्म निभाना चाहिए। उनके ऐसे बयानों से इंडिया गठबंधन कमजोर होता है, जिस का असर 2027 विधानसभा चुनाव पर पड़ेगा। मुनव्वर अली ने कहा कि इमरान मसूद बसपा में गए, समाजवादी पार्टी में भी आए, अब वे फिर से वापस कांग्रेस में गए हैं। उन्होंने कहा कि इमरान मसूद 2014 व 2019 का लोकसभा चुनाव हारे, वो 2024 में सांसद कैसे बन गए यह उन्हें ध्यान में रखना चाहिए, क्योकि समाजवादी पार्टी के साथ कांग्रेस का गठबंधन था, समाजवादियो ने सहारनपुर में उनका चुनाव पूरी मजबूती के साथ लड़ाया। इसके बावजूद इमरान मसूद अपने बेतुके बयानों से उत्तर प्रदेश में इंडिया गठबंधन को कमजोर करने का लगातार प्रयास कर रहे हैं।

निषाद पार्टी की नीतियों के प्रचार-प्रसार करने का आह्वान किया

नजीबाबाद (चिंगारी)। निषाद पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं की एक सभा का आयोजन नगर के कान्हा होटल में किया गया, जिसमें मिशन 2027 के तहत जनसंपर्क अभियान तेज करते हुए गांव-गांव शहर-शहर पहुंचकर निषाद पार्टी की नीतियों का प्रचार-प्रसार करने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए निषाद पार्टी बिजनौर के जिला अध्यक्ष नवीन कश्यप ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद के हाथों को मजबूत करें। डॉ.संजय निषाद निर्बल, शोषित, वंचित समाज की आवाज को जमीनी स्तर से लेकर विधानसभा तक पुरजोर तरीके से उठा रहे हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि पार्टी की नीतियों एवं संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना है। डॉक्टर एहसान उस्मानी को नगर अध्यक्ष नजीबाबाद मनोनीत किया गया। डॉ. बाबूराम कश्यप की अध्यक्षता एवं डॉ. ऋषिपाल कश्यप के संचालन में कार्यक्रम में डॉ. दिनेश कुमार, जीत सिंह, जितेंद्र कुमार, सोनिया कश्यप, लक्ष्मी कश्यप, पुष्पा देवी, बबीता, कपिल सैनी, मांगेराम कश्यप, सचिन कश्यप, दीपक कश्यप एड., डॉ. अरविन्द कश्यप आदि उपस्थित रहे। निषाद पार्टी के जिला महासचिव डॉक्टर जुनैद अंसारी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

सरकारी कर्मचारियों की तरह किया जाये व्यापारियों का स्वास्थ्य बीमा

व्यापारियों ने बनवारी लाल कंछल के सामने रखी कई मांगें

बिजनौर (चिंगारी)। उद्योग व्यापार मण्डल के प्रांतीय अध्यक्ष बनवारी लाल कंछल का बिजनौर आगमन पर जोरदार स्वागत किया गया। यहां एक रेस्टोरेंट में आयोजित कार्यक्रम में प्रांतीय अध्यक्ष का स्वागत करते हुए संगठन के पदाधिकारियों ने ऑनलाइन व्यापार का कड़ा विरोध किया। इसके साथ ही भारी टोल टैक्स को व्यापारियों व अन्य नागरिकों पर भारी बोझ बताया। सरकारी कर्मचारियों की तरह व्यापारियों का स्वास्थ्य बीमा कराने की मांग की गई। रेलगाड़ियों में व्यापारियों के लिये अलग से आरक्षण की व्यवस्था की जाये। बनवारी लाल कंछल ने सभी मांगों को सरकार के समक्ष रखने का आश्वासन दिया। साथ ही बताया कि व्यापार मण्डल के संघर्षों और प्रयासों से वर्ष 2019 में देश के पंजीकृत करोड़ों व्यापारियों को 10 लाख रुपये का दुर्घटना बीमा मिला। जीएसटी पंजीकृत व्यापारियों को पेंशन देने का कानून बना। वर्ष 2025 के बजट में आयकर की छूट 3 लाख से बढ़ाकर 12 लाख हुई। प्रॉपटी गेन के मामलों में 20 प्रतिशत के स्थान पर 12 प्रतिशत टैक्स लागू हुआ। व्यापार मण्डल की ही मांग पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने व्यापारियों को छोटी-छोटी बातों पर जेल भेजने के कानून को समाप्त किया। छोटे उद्योगों को क्रेडिट कार्ड देने की सुविधा दी गई। सभी जनपदों में प्रतिमाह व्यापार बंधु, उद्योग बंधु, व्यापारी सुरक्षा प्रकोष्ठों की बैठकें नियमित रूप से की जा रही हैं। यह सब व्यापार मण्डल की उपलब्धियां हैं। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष अगम कर्णवाल, जिला उपाध्यक्ष विनीत रस्तोगी, जिला महामंत्री सौरभ अग्रवाल, मंत्री शैंकी कर्णवाल, जिला मंत्री तरूण कुमार, शासकीय अधिवक्ता गौरव अग्रवाल, डिस्ट्रीब्यूटर एसोसिएशन के जिला संयोजक शारिक, नगर अध्यक्ष रचित गोयल, नगर मंत्री अमित अग्रवाल, नगर संयोजक आरिफ इरफान अहमद, कोषाध्यक्ष प्रशांत वर्मा, आशू अग्रवाल, कृष्णा कर्णवाल आदि मौजूद रहे।

प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत करते हुए पदाधिकारी।

बनवारी लाल कंछल का नजीबाबाद में भी हुआ जोरदार स्वागत

नजीबाबाद (चिंगारी)। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बनवारी लाल कंछल का नगर आगमन पर फूल मालाओं से जोरदार स्वागत किया गया। संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष बनवारी लाल कंछल ने बताया कि पिछले 6 वर्षों में संगठन द्वारा सरकार से कई मांगें की गई थी जिसमें से कई पूरी हो गई है। जिनमें वर्ष 2019 में भारत के पंजीकृत करोड़ों व्यापारियों को 10 लाख रुपए का दुर्घटना बीमा मिला। वर्ष 2019 में भारत के जीएसटी पंजीकृत करोड़ों व्यापारियों को पेंशन देने का कानून बना। वर्ष 2025 के बजट में आयकर की छूट 3 लाख से बढ़कर 12 लाख हुई। आयकर में वरिष्ठ नागरिकों के लिए टीडीएस 50 हजार से बढ़कर 1 लाख किया गया। प्रॉपर्टी गेन के मामलों में 20 प्रतिशत के स्थान पर 12 प्रतिशत टैक्स लागू हुआ। विभिन्न विभागों द्वारा व्यापारियों को छोटी-छोटी बातों पर जेल भेजने के कानून को समाप्त किया है। मुख्यमंत्री द्वारा व्यापारी सुरक्षा प्रकोष्ठ का गठन किया गया है। आयकर फाइलिंग की सीमा 2 वर्ष से बढ़ाकर 4 वर्ष कर दी गई है। छोटे उद्योगों को क्रेडिट कार्ड देने की सुविधा भी सरकार ने दे दी है। स्थानीय व्यापारियों ने प्रांतीय अध्यक्ष को अपनी समस्याओं से अवगत कराया। उन्होंने सभी समस्याओं को जल्दी हल कराने का आश्वासन दिया। जिला अध्यक्ष नजर खां की अध्यक्षता एवं प्रदीप डेजी के संचालन में आयोजित बैठक में प्रांतीय मंत्री शिवकुमार माहेश्वरी, युवा जिला अध्यक्ष अभिनव अग्रवाल एडवोकेट, शहजाद अहमद, साबिर खान, शहबाज खां, प्रदीप पाल, सुधीर अग्रवाल, विपिन अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, नूर मोहम्मद, राजीव गुप्ता, मोहम्मद सलीम, योगेंद्र अग्रवाल, मोहम्मद अख्तर, मुनीर आदि मौजूद रहे।

रेड फोर्ट स्कूल में विद्यार्थियों ने पौधारोपण किया साथ ही विद्यालय में स्वच्छता का संकल्प लिया

ऋषिकेश (चिंगारी)। हरेला पर्व पर रेड फोर्ट इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल के एनसीसी कैडेटों एवं अन्य विद्यार्थियों ने विद्यालय परिसर एवं आसपास के क्षेत्र में व्यापक पौधारोपण एवं स्वच्छता अभियान चलाया। विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रकार के पौधे रोपे तथा पर्यावरण संरक्षण, हरियाली बढ़ाने और स्वच्छता बनाए रखने का संकल्प लिया। एनसीसी कैडेटों ने परिसर की साफ-सफाई की और सभी को प्रकृति के संरक्षण तथा स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के लिए जागरूक किया। विद्यालय के चेयरमैन डॉ. शूरवीर सिंह बिष्ट ने विद्यार्थियों की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि हरेला केवल एक पर्व नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति

हमारी आस्था, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी का प्रतीक है। उन्होंने सभी से अधिक से अधिक पौधे लगाने एवं उनकी नियमित देखभाल करने का संकल्प लेने का आग्रह किया। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती तरंग बैली ने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को हरेला पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों में पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं स्वच्छता के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करते हैं। उपप्रधानाचार्य देवेंद्र बिष्ट तथा अकादमिक हेड अमित गांधी ने भी कहा कि आज का पौधारोपण आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं हरित भविष्य की मजबूत नींव है। इस कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के एनसीसी एएनओ अधिकारी अशोक सिंह मेहता के मार्गदर्शन में हुआ। कार्यक्रम में मनोज बिष्ट, कीर्तन भट्ट, मनोज रावत सहित विद्यालय के शिक्षकों श्रीमती मनीषा पटवाल, श्रीमती हितेशी यादव, श्रीमती माया राणा, रतन, विशाल कटकार, श्रीमती रेखा बिष्ट, श्रीमती दीपमाला, श्रीमती हर्षिता पांडेय, जिन कुमार आदि उपस्थित रहे।

बेस अस्पताल में ऋषिकेश एम्स ने किया टेली मेडिसिन सेवा का सफल ट्रायल

कोटद्वार (चिंगारी)। राजकीय बेस चिकित्सालय कोटद्वार में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ एवं आधुनिक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान ऋषिकेश द्वारा टेलीमेडिसन सेवा का सफल ट्रायल किया गया। ट्रायल के दौरान चिकित्सकीय परामर्श एवं तकनीकी व्यवस्थाओं का परीक्षण किया गया, जो सफल रहा।

अगले माह से नियमित शुरू हो जायेगी सेवा : ऋतु खंडूडी

इस संबध में प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष एवं कोटद्वार विधायक ऋतु खण्डूडी भूषण ने बताया कि इस सेवा के प्रारंभ होने से क्षेत्र के मरीजों को एम्स के विशेषज्ञ चिकित्सकों से ऑनलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध होगी। इससे गंभीर एवं जटिल बीमारियों के उपचार के लिए मरीजों को बार-बार ऋषिकेश या अन्य बड़े चिकित्सा संस्थानों में जाने की आवश्यकता कम होगी तथा समय एवं धन दोनों की बचत होगी। बताया कि अगले सप्ताह से राजकीय बेस चिकित्सालय कोटद्वार में टेलीमेडिसन सेवा नियमित रूप से प्रारंभ कर दी जाएगी। उन्होंने इस महत्वपूर्ण पहल के लिए एम्स ऋषिकेश एवं स्वास्थ्य विभाग का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि टेलीमेडिसन सेवा क्षेत्रवासियों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी और उन्हें गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं अपने निकट ही उपलब्ध हो सकेंगी। इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि जितेंद्र नेगी, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. विजय सिंह, डॉ. विवेक मलिक, डॉ. हेमंत, डॉ. धीरज, इंजीनियर नवीन शर्मा, रजत भट्ट सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

हरेला पर्व पर विद्यालय में प्रतियोगिताएं हुई आयोजित

कोटद्वार (चिंगारी)। नगर निगम के अंतर्गत मानपुर स्थित शांति वल्लभ मेमोरियल इंटर कॉलेज में हरेला पर्व के अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें मयंक, सोनाली व खुशी ने अव्वल स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य डॉ. बीबी.एस. रावत एवं विद्यालय के प्रधानाचार्य वरूण कुमार भदोला ने दीप प्रज्वलित कर किया। वक्ताओं ने हरेला पर्व के महत्व पर प्रकाश डालते हुए छात्रों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनके संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया। मुख्य अतिथि डॉ.बी बी एस रावत ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और वृक्षारोपण के साथ उनकी देखभाल भी उतनी ही जरूरी है। तत्पश्चात ग्रीन अर्थ, क्लीन अर्थ, चित्रकला, पोस्टर, पेंटिंग, ड्राइंग तथा सेव मदर नेचर विषयों पर प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। प्रतियोगिताओं के प्राथमिक वर्ग में मयंक रावत प्रथम, सुमैया द्वितीय एवं अंशिका तृतीय रहे। उच्च प्राथमिक वर्ग में सोनाली प्रथम, लाइबा द्वितीय एवं अयान तृतीय स्थान पर रहे। वहीं वरिष्ठ वर्ग में खुशी ने प्रथम, रक्षिता ने द्वितीय तथा निकिता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षक व कर्मचारी मौजूद रहे।

मयंक, सोनाली व खुशी आये प्रथम स्थान पर

रोटरी क्लब क्लासिक ने मनाया अपना स्थापना दिवस

ऋषिकेश (चिंगारी)। रोटरी क्लब ऋषिकेश क्लासिक का दूसरा स्थापना दिवस खांड गांव स्थित एक होटल में मनाया गया, जिसमें संजय सकलानी को अध्यक्ष,विजय रावत को सचिव.हिमांशु गुप्ता को कोषाध्यक्ष बनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रो. रवि प्रकाश, अनीता ममगाई, रो.संजय सकलानी रो. विजय रावत ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित किया। पूर्व डिस्ट्रिक गवर्नर रवि प्रकाश ने उन्होंने कहा मानव सेवा सबसे बड़ा धर्म है क्लब का मुख्य उद्देश्य विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से जो जनसेवा की जाती है, उसको आगे बढ़ाना है। पूर्व नगर निगम अध्यक्ष अनीता ममगाई ने

क्लब की ओर से किए जा रहे जनहित कार्यों की सराहना की। रोटरी ऋषिकेश क्लासिक के नवनियुक्त अध्यक्ष रो.संजय सकलानी ने कहा कि क्लब का मुख्य उद्देश्य आर्थिक रूप से तंग लोगों को स्वास्थ्य व शिक्षा में पूर्ण रूप से मदद करना रहेगा। सचिव रो. विजय रावत ने कहा कि क्लब द्वारा ऋषिकेश व आस पास के क्षेत्रों में प्रतिभावान युवाओं को सम्मानित किया जाएगा। क्लब के सदस्यो द्वारा सभी अतिथियों का शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में रो. पंकज पांडेय, रो. देवव्रत अग्रवाल, रो. रवि कौशल, कैलाश सेमवाल, हरीश राणा, रो. दीपक तायल, रो. माधवी गुप्ता, रेनू गुप्ता, रो.बलवंत सिंह डंग, रो. माधव अग्रवाल, अजय गर्ग, संजीव चौधरी, भूपेंद्र राणा, डॉ. ललित जोशी, डॉ. नंदलाल कोठारी, सीए अजय बहुगुणा, रो. अंकित गुप्ता, रो. हिमांशु गुप्ता, रो. सौरव वर्मा, रो. सौरव शर्मा, रो. विपिन चौधरी, रो. अक्षत अरोड़ा आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन रो.डॉक्टर राज नेगी व कार्यक्रम का समापन रो.राकेश अग्रवाल ने किया।

राजस्थान निवासी दम्पति के शव जंगल में पेड़ से लटके मिले

कोटद्वार (चिंगारी)। कोटद्वार के चोरपानी-सनेह जंगल में राजस्थान के अलवर निवासी दंपति के शव पेड़ से लटके मिले हैं। पुलिस ने दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए बेस अस्पताल भेज दिया है और मामले की जांच आरंभ कर दी है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रदीप नेगी ने बताया कि राजस्थान के अलवर निवासी 25 वर्षीय सतविन्द्र सिंह और उनकी 22 वर्षीय पत्नी अमनदीप कौर अपनी मोटरसाइकिल से कोटद्वार घूमने आए थे। गुरुवार शाम चोरपानी-सनेह जंगल में पुलिस के गश्ती दल को उनकी मोटरसाइकिल लावारिस हालत में मिली। इसके बाद तलाश करने पर सड़क से करीब 150 मीटर अंदर दोनों के शव एक पेड़ पर फांसी के फंदे पर लटके मिले। इसके बाद पुलिस ने उनके परिजनों को सूचित किया और परिजनों की मौजूदगी में दोनों शवों को नीचे उतारकर पोस्टमार्टम के लिए राजकीय बेस चिकित्सालय कोटद्वार भेज दिया। बताया कि प्रथम दृष्टया दोनों के द्वारा आत्महत्या किया जाना प्रतीत हो रहा है। हालांकि, मौत के सही कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच पूरी होने के बाद ही होगी। फिलहाल पुलिस मामले की सभी पहलुओं से जांच कर रही है।

'भूमि के श्रृंगार के साथ जीवन का आधार हैं पौधे'

कोटद्वार (चिंगारी)। रोटरी व इन्ट्रेक्ट क्लब द्वारा हरेला पर्व के अंतर्गत होने वाले कार्यक्रमों के प्रथम चरण में पृथ्वी विद्या मन्दिर झण्डीचौड़ में पौधरोपण किया गया। विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ रोटरी अध्यक्ष प्रतिभा गुप्ता ने किया। उन्होंने कहा कि पौधे इस भूमि के केवल श्रृंगार ही नही बल्कि जीवन के लिए उपहार है। कहा कि हरेला पर्व के कार्यक्रमों के अंतर्गत क्ब की ओर से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। तत्पश्चात छात्र-छात्राओं व क्लब के सदस्यों ने मिलकर नीम, आंवला, अमरूद, अर्जुन व बेल की पौध लगाई और पौधों की देखेख करने का संकल्प भी लिया। विद्यालय प्रधानाचार्य मीनाक्षी नैथानी ने इस कार्य पर क्लब का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर क्लब की सचिव वीना रावत, गोपाल बंसल, शरत चन्द्र गुप्ता, विजय कुमार माहेश्वरी, अमित अग्रवाल, भुवनेश कुंज व शिक्षक महेन्द्र सिंह, दीपक सिंह, विवेकानंद सिंह, सौम्य भारद्वाज व अनीता भट्ट आदि मौजूद रहे।

कैलाश लाम्बा को किया हाउस अरेस्ट

पैजनिया (चिंगारी)। विभिन्न मुद्दों को लेकर मुख्यमंत्री को ज्ञापन देने की योजना बना रहे किसान मजदूर संगठन के प्रदेश महामंत्री कैलाश लांबा को पुलिस ने उनके गांव करनपुर गांवड़ी स्थित घर में हाउस अरेस्ट कर लिया। शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बिजनौर दौरे के दौरान किसान मजदूर संगठन के प्रदेश महामंत्री कैलाश लांबा ने जिले के अस्पतालों में इलाज के नाम पर हो रही लूट, प्राइवेट स्कूलों में मनमानी फीस वसूली कोर्स और ड्रेस के नाम पर लूट खसोट मचाने के अलावा शहरों में सर्किल रेट न बढ़ाने संबंधी ज्ञापन देने योजना बनाई थी। जिसकी सूचना मिलने पर पुलिस ने उन्हें समर्थकों के साथ हाउस अरेस्ट कर लिया। इस दौरान वेद प्रकाश, युवा जिला अध्यक्ष बिट्ठू, तहसील अध्यक्ष विकास कुमार, युवा जिला उपाध्यक्ष राकेश कुमार, जिला कोषाध्यक्ष जगत सिंह, सुरेश सिंह, घसीटा सिंह, देवराज सिंह, नरेश सिंह, दयाराम शास्त्री, जगदेव मिस्त्री, नरेश लांबा, ताहिर अहमद, ताहर सिंह, मोनू, हनी आदि समर्थक भी हाउस अरेस्ट रहे।

रामनगर में लगा चिकित्सा शिविर

चिकित्सक रजत को सम्मानित करते बजरंग दल कार्यकर्ता

नांगल सोती (चिंगारी)। आजकल विश्व हिंदू परिषद/बजरंग दल द्वारा सेवा सप्ताह आयोजित किया जा रहा है। सेवा सप्ताह के अंतर्गत गांवों में निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किये जा रहे हैं। इसी क्रम में नांगल प्रखंड के ग्राम रामनगर में भी चिकित्सा शिविर आयोजित कर ग्रामवासियों को उचित परामर्श देते हुए निःशुल्क दवाइयां वितरित की गईं। चिकित्सा शिविर का आयोजन रामनगर के प्राथमिक विद्यालय में किया गया। चिकित्सकों डा. रजत (बीएएमएस), डा. सत्यम (बीएएमएस) ने शिविर में आये मरीजों को उचित परामर्श दिया तथा दवाइयां दीं। मुख्य अतिथि, बजरंग दल के जिला संयोजक अरुण चौधरी, अभिषेक त्यागी, प्रखंड अध्यक्ष विनीत कुमार, प्रखंड मंत्री जितेश सेहल, सुमित, शिवम, पंकज, बिकुल आदि मौजूद रहे।

प्रेमांजलि समागम समिति ने सिद्धबली आश्रम में किया पौधारोपण

कोटद्वार (चिंगारी)। उत्तराखंड के लोकपर्व हरेला एवं कर्क संक्रांति के अवसर पर ग्राम्य एकता प्रगति प्रेमांजलि समागम समिति की ओर से भाबर क्षेत्र के गूलरझाला स्थित सिद्ध पीठ सिद्धबली आश्रम में पौधरोपण किया गया। मौके पर आम, आंवला, अमरूद, जामुन, पपीता एवं पीपल के पौधों का रोपण कर उनके संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प लिया गया। संस्था के संस्थापक राम भरोसा कंडवाल ने कहा कि हरेला पर्व हमें प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करने तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए हरित एवं स्वच्छ पर्यावरण सुरक्षित रखने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनका संरक्षण करना भी प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। इस दौरान दिनेश चौधरी, मनमोहन काला, नंदन सिंह नेगी, रेखा ध्यानी एवं मनीषा प्रजापति सहित समिति के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

दबंगों ने ट्यूबवैल पर ताला लगाया वृद्ध किसान ने एसपी को दुखड़ा सुनाया

नूरपुर (चिंगारी)। क्षेत्र के गांव अलीनगर पालनी निवासी वृद्ध किसान भारत सिंह ने एसपी अभिषेक झा को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि उसके नलकूप व नलकूप के बिजली के कनैक्शन में गांव निवासी अशोक पुत्र किशोरी सुभाष, मदन, रोहिताश पुत्रगण बाबू, नवनीत, विनीत पुत्रगण रोहिताश, विपुल मुकुल पुत्रगण मदन अंकुश, त्रितिक पुत्रगण सुभाष व सुमित पुत्र अशोक सहभागी हैं। वृद्ध का आरोप है कि उक्त लोग जबरदस्ती नलकूप की मोटर व अन्य समान खोलकर ले गए तथा जंगल में बनी कोठरी के गेट पर भी अपना ताला लगाकर कब्जा कर लिया है। जिसके चलते वह नलकूप व अन्य समान का उपयोग नही कर पा रहा है। वृद्ध किसान का आरोप है कि जब वह उक्त लोगों से मोटर व अन्य सामान मांगता है तथा गेट से निजी ताला हटाने के लिए कहता है तो सभी एक राय होकर उसके साथ गाली-गलौच करते हुए मारपीट पर उतारू हो जाते हैं और कहते हैं कि हम तुझे नलकूप का कोई भी सामान नही देंगे और न ही गेट पर से अपना ताला हटायेंगे। वृद्ध का कहना है कि वह पिछले करीब 9 माह से कई बार नूरपुर थाने जाकर लिखित व मौखिक रूप से शिकायत कर चुका है, लेकिन स्थानीय पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध कोई कार्यवाही नहीं की। वृद्ध का कहना है कि वह मानसिक रूप से बहुत परेशान है और आत्महत्या भी कर सकता है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच कर कार्यवाही की जाएगी।

बैठक के लिये रवाना हुए बार के पदाधिकारी

बिजनौर (चिंगारी)। पश्चिम में हाई कोर्ट बेंच की स्थापना को लेकर आज पश्चिम उत्तर प्रदेश के बागपत जिले में पश्चिम के 22 जिलों के अध्यक्ष/ सचिव की एक बैठक आहूत की गई, जिसमें जिला बार एसोसिएशन बिजनौर की कार्यकारिणी के अध्यक्ष व सचिव के नेतृत्व में अधिवक्ताओं का जत्था आज प्रात: बिजनौर से पूर्व अध्यक्ष चरत सिंह एडवोकेट ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस जत्थे में राजीव चौहान एडवोकेट, यशपाल सिंह एडवोकेट पूर्व अध्यक्ष, उपाध्यक्ष संदीप चौहान, कनिष्ठ उपाध्यक्ष तुषार चौधरी, कोषाध्यक्ष कविता चौधरी, गवर्निंग काउंसिल सदस्य संगीता, आशीष तोमर, विवेक चौधरी, कोमल सिंह, शुभम चौधरी, प्रताप मंडल, दुष्यंत कुमार एडवोकेट आदि शामिल रहे। जिला बार एसोसिएशन बिजनौर के अध्यक्ष/सचिव ने बेंच के साथ साथ पश्चिम में लघु सचिवालय बनाने के लिए इस आंदोलन को जन आंदोलन बनाने की अलग से मुहिम चला रखी है। कल मुख्यमंत्री के बिजनौर आगमन पर जिला बार एसोसिएशन बिजनौर के अध्यक्ष राजेन्द्र कुमार एडवोकेट के नेतृत्व में जिला बार एसोसिएशन के पदाधिकारीगण यशपाल सिंह, राजीव चौहान, निरंकार सिंह, संजय शर्मा एडवोकेट हेलीपेड पर मुख्यमंत्री से मिले व उनका अभिनंदन एवं स्वागत किया तथा एक मांग पत्र पश्चिम उत्तर प्रदेश में हाई कोर्ट बेंच स्थापना के सम्बन्ध सौंपी। मुख्यमंत्री ने मंच से संबोधन में अपने भाषण में जिला बार एसोसिएशन बिजनौर का आभार भी व्यक्त किया।

मैजिक की टक्कर से दो युवक घायल

नांगल सोती (चिंगारी)। बीती देर शाम अज्ञात मैजिक वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो युवक घायल हो गये। दोनों को मंडावली के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां से एक युवक को गंभीर हालत में जौलीग्रांट स्थित हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। नांगल थानांतर्गत ग्राम मोहम्मद अलीपुर द्वारका (तिसोतरा) निवासी जयवीर सिंह (35 वर्ष) पुत्र धीर सिंह तथा अर्जुन (42 वर्ष) पुत्र नीला सिंह कल नजीबाबाद क्षेत्र में मजदूरी करने गये थे। देर शाम दोनों बाइक से अपने घर लौट रहे थे। परिजनों के अनुसार जब वे मंडावली थानांतर्गत ग्राम नयागांव के सामने पहुंचे, तो पीछे से आ रहे एक अज्ञात मैजिक वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी, जिससे दोनों नीचे गिरकर घायल हो गये। जयवीर के चाचा सुभाषचंद ने बताया कि उसके सिर का ऑपरेशन किया गया है।

रोटरी क्लब गंगा की मासिक बैठक के बाद किया गया पौधारोपण

बिजनौर (चिंगारी)। रोटरी क्लब गंगा बिजनौर की मासिक बैठक एक रेस्टोरेंट में संपन्न हुई, जिसकी अध्यक्षता नव निर्वाचित अध्यक्ष रो. रेखा अग्रवाल एवं संचालन सचिव रो. आदेश भटनागर ने किया। बैठक में नवनियुक्त अध्यक्ष और सचिव का स्वागत किया गया और आगामी प्रोजेक्ट पर चर्चा की। इस महीने वृक्षारोपण और बालिकाओं को ड्रेस वितरण दो प्रोजेक्ट किए जाएंगे। अगले महीने में स्वतंत्रता दिवस एवं हरियाली तीज के कार्यक्रम के लिए भी चर्चा की गई। आज जमालपुर पठानी में ग्राम देवता के स्थान पर क्लब द्वारा लगभग 150 पौध का रोपण किया गया जिसमें चार्टर अध्यक्ष नवीन अग्रवाल, चार्टर सदस्य गजे सिंह, पूर्व अध्यक्ष खगेश कुमार शर्मा, पूर्व अध्यक्ष हितेश कुमार शर्मा, अनिल शर्मा, देवेंद्र चौहान, संजीव शर्मा, राजीव गुप्ता, दिनेश शर्मा, प्रीति शर्मा, हितेश शर्मा, रूपेंद्र सिंह ,विमल गुप्ता, शिखा गुप्ता, तृप्ति शर्मा शालिनी गुप्ता, रेखा शर्मा, डॉक्टर नवनीत कोठारी, तिलक राज तनेजा, सुखबीर सिंह मुखिया जी, संजीव कुमार ग्राम रोजगार सेवक, छोटवा सिंह, तेजपाल सिंह अशोक कुमार सोनू लोकेश आदि ने सहयोग किया।

इन्वेस्टीचर सेरेमनी में छात्र परिषद ने ली नेतृत्व की शपथ

मंडावर (चिंगारी)। मॉडर्न एरा पब्लिक स्कूल, मंडावर में छात्र-छात्राओं में नेतृत्व क्षमता, अनुशासन, ज़िम्मेदारी एवं सेवा भाव विकसित करने के उद्देश्य से इन्वेस्टीचर सेरेमनी का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय प्रबंधन समिति सदस्य नमन चौधरी व विद्यालय प्रधानाचार्य डॉक्टर मदन सिंह रावत द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इसके उपरांत विद्यालय प्रार्थना एवं स्वागत गीत की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। समारोह में नव-निर्वाचित छात्र परिषद के हेड बॉय, हेड गर्ल, स्पोर्ट्स कैप्टन, कल्चरल कैप्टन, हाउस कैप्टन, वाइस कैप्टन, प्रीफेक्ट एवं अन्य पदाधिकारियों को बैज, सैशे एवं प्रतीक चिह्न पहनाकर सम्मानित किया गया। सभी

उत्साह और अनुशासन का वातावरण रहा

पदाधिकारियों ने विद्यालय की गरिमा बनाए रखने, अनुशासन का पालन करने, अपने कर्तव्यों का पूरी निष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण के साथ निर्वहन करने तथा अन्य विद्यार्थियों के लिए आदर्श बनने की शपथ ली। विद्यालय प्रधानाचार्य ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में कहा कि नेतृत्व का अर्थ केवल अधिकार प्राप्त करना नहीं, बल्कि सेवा, सहयोग, ज़िम्मेदारी और सकारात्मक सोच के साथ दूसरों का मार्गदर्शन करना है। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा देशभक्ति गीत, समूह नृत्य, प्रेरणादायक भाषण तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की आकर्षक प्रस्तुतियां दी गईं। पूरे समारोह के दौरान उत्साह और अनुशासन का अद्भुत वातावरण देखने को मिला। नमन चौधरी ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए अपने संबोधन में कहा कि छात्र परिषद विद्यालय और विद्यार्थियों के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी होती है। मंच संचालन विद्यालय के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने प्रभावशाली ढंग से किया।

रामगंगा प्रकाशन बिजनौर के लिए प्रकाशक, मुद्रक **सूर्यमणि रघुवंशी** ने रघुवंशी प्रिंटर्स, स्वप्न लोक, नई बस्ती बिजनौर में मुद्रित कराकर स्वप्न लोक, नई बस्ती, बिजनौर से प्रकाशित किया।
संस्थापक-**स्व. बाबू सिंह चौहान**।
सम्पादक-**सूर्यमणि रघुवंशी**।
आर. एन. आई. नं. 2417/57
डाक पंजीकरण संख्या- डी.एन./ यू.पी./ बी.जे.एन.-14/2025-27
E-Mail: dainikchingari@gmail.com

पढ़ने के हैं कई तरीके

पढ़ना भी कला है। क्या पढ़ें और कितना पढ़ें यह भी समझना जरूरी है। तुम्हें तो मालूम है कि दुनिया में रोज लाखों पन्ने छपते हैं। उससे भी ज्यादा इंटरनेट पर हर पल गीगा बाइट सूचनाएं प्रसारित होती हैं। क्या संभव है कि उन तमाम सूचनाओं व किताबों को हम देख या पढ़ सकते हैं? यह संभव नहीं है। तो हमें क्या करना चाहिए?

हजारों और लाखों पन्नों में से खुद के मतलब के अनुसार छांटना पड़ेगा कि हमें इन्हीं किताबों और इन्हीं पन्नों को पढ़ने की आवश्यकता है। जब हम यह तय कर लेते हैं कि हमें कितना और क्या पढ़ना है तब यह काम आसान हो जाता है कि हमें कितना और क्या पढ़ना है। अब हमारे सामने यह सवाल होता है कि हम मौजूद पन्नों के टेक्स्ट को कैसे समझते हुए पढ़ें।

अगर ध्यान से देखोगे तो पाओगे कि एक किताब को पढ़ते वक्त लोग कई तरह के तरीके अपनाते हैं। कोई सरसरी निगाह डालता है। कोई बस पन्ने पलट कर अंदाजा लगाता है, तो वहीं कुछ लाइन बाई लाइन पन्नों को पढ़ते हैं। अमूमन एक किताब को पढ़ने का एक तरीका होता है, ताकि हम जिन पन्नों को पढ़ रहे हैं, उन्हें समझते हुए पढ़ें। अगर जरूरत पड़े तो पढ़े हुए पन्नों की सूचना और ज्ञान को समझा भी सकें। एक पन्ने को पढ़ते वक्त हमारी आंखों और पन्नों के बीच कम से कम 2 फीट की दूरी होनी चाहिए। इससे तुम्हारी आंखों पर ज्यादा जोर नहीं पड़ता। वहीं पुराने

तरीके से लोग शब्द दर शब्द पढ़ते हैं। एक और तरीका है कि कुछ लोग पंक्ति दर पंक्ति पढ़ते हैं। तुमने देखा होगा कि कुछ बच्चे बोल-बोल कर पढ़ते हैं। वहीं कुछ बच्चे मन में बोलते हुए पढ़ते हैं। क्लास में कई बार तुम्हारी मैम ने कहा होगा कि बोल-बोल कर पढ़ो। इससे तुम्हें शब्दों को बोलने और सुनने की कला आएगी। लेकिन इसमें संभव है कि दूसरे बच्चे तुम्हारे जोर-जोर से पढ़ने के कारण परेशान भी हो सकते हैं। एक बार में तीन से चार शब्दों को मिलाकर वाक्य पढ़ने चाहिए। इससे तुम्हारे पढ़ने में तेजी तो आएगी ही, साथ ही पंक्तियां याद भी होंगी। वहीं तुम शब्दों को तोड़-तोड़कर पढ़ सकते हो।

मानो या न मानो

- आस्ट्रेलिया में हाइडन के निकट 'वेव रॉक' नामक एक ऐसी चट्टान है, जो दूर से देखने पर एक शक्तिशाली जल प्रपात के समान दिखाई देती है।
- दुनिया भर में भेड़ों से प्रतिदिन पांच हजार टन ऊन प्राप्त होती है जिससे डेढ़ करोड़ से भी अधिक स्वेटर तैयार हो सकते हैं।
- नदी-नालों या तालाबों की तली से उत्पन्न बुलबुलों का आकार ऊपरी सतह तक आते-आते बढ़ जाता है क्योंकि ऊपर दबाव कम होता है परन्तु जहां से बुलबुले बनते हैं, वहां अधिक।
- यूरोप के आल्पाइन नामक क्षेत्र में सफेद सांभर को मृत्यु का अग्रसूचक माना जाता है। वहां ऐसा अंधविश्वास प्रचलित है कि इसका शिकार करने वाला व्यक्ति स्वयं एक वर्ष के भीतर मर जाएगा।
- 'बी आर्किड' नामक पौधे के फूल देखने में मधुमक्खी जैसे लगते हैं।
- 'इलेक्ट्रिक कैट फिश' नामक मछली छोटी मछलियों को बिजली का झटका देकर मार डालती है। यह भी दिलचस्प है कि वह उन्हें अपना आहार नहीं बनाती है बल्कि उनके शिकार को अपना आहार बनाने के लिए ऐसा करती है।
- 'स्टिगिंग नैटल' नामक वृक्ष उन मनुष्यों को मौत के घाट उतार सकता है जिन्हें इसके विष से एलर्जी होती है। दरअसल, इनके त्वचीय भाग में रोएं पाए जाते हैं जो विषैले होते हैं और शरीर में चुभकर अपना विषैला प्रभाव छोड़ते हैं जिससे व्यक्ति की मृत्यु हो सकती है।

बनना है स्ट्रांग

स्ट्रांग बनना किसको अच्छा नहीं लगता। सब चाहते हैं कि वे भी अपने हीरों के जैसा दिखें। वे भी सलमान और शाहरुख जैसे मसल्स बनाना चाहते हैं। आजकल बच्चों पर वर्क आउट करने का जुनून सवार रहता है। वैसे भी इन पर हमेशा से ही बॉलीवुड के सितारे हावी रहते आए हैं। तो बच्चों, आपको बताते हैं कि स्ट्रांग बनने के लिए कोई क्या करे?

हर किसी की चाहत होती है वह स्ट्रांग एंड अट्रैक्टिव दिखे। खुद को फिट रखने की चाहत रखने वाले बच्चों की संख्या बढ़ रही है।

ऐसे बने स्ट्रांग: जब तक शरीर अपनी पूरी ऊंचाई या कद को प्राप्त नहीं कर लेता, तब तक हेवी एक्सरसाइज से बचना चाहिए। टीनएजर्स के लिए खासतौर पर उनकी सलाह है कि कार्डियो-वैस्कुलर एक्सरसाइज या एयरोबिक्स पर ही ध्यान केंद्रित रखें। वैसे भी इस उम्र में स्पोर्ट्स के माध्यम से बॉडी को फिट रखने का इससे बेहतर तरीका नहीं है, लेकिन केवल जिम जाने या वर्कआउट करने से ही आपके हेल्दी बॉडी का सपना पूरा नहीं होगा। इसके लिए आप को एक्सरसाइज और अच्छी डाइट की भी आवश्यकता पड़ेगी। आजकल लोग डाइट-कॉन्शियस हो रहे हैं और बैलेन्स्ड डाइट ले रहे हैं। बच्चों, आप को पता है कि बैलेंस्ड डाइट किसे कहते हैं।

बैलेंस्ड डाइट: शरीर को स्वस्थ रखने के लिए पौष्टिक भोजन की आवश्यकता होती है। यानी कि ऐसी डाइट, जिसमें प्रोटीन, मिनरल, विटामिन, कार्बोहाइड्रेट व फैट शामिल हो। यदि इन तत्वों को भोजन में जब उचित मात्रा में लिया जाता है, तो उसे बैलेंस्ड डाइट कहते हैं। आपको अपनी डाइट के बारे में इसलिए भी सजग रहना चाहिए, क्योंकि यही वह समय है, जब शरीर में कोशिकाएं सबसे अधिक बनती-बिगड़ती रहती हैं।

जरूरी है ब्रेकफास्ट : अक्सर आप लोग जिद करते हो और सुबह का नाश्ता नहीं करते हैं, जिससे आपका सेहत प्रभावित होता है। सुबह का नाश्ता न करने से स्वास्थ्य पर असर पड़ता है। ब्रेकफास्ट में दूध, दलिया, अंडा सहित कुछ सूखे मेवों अखरोट, बादाम को भी सम्मिलित करना चाहिए। फल ब्रेकफास्ट करने से पहले खाना उचित रहता है। इसके बाद लंच में रोटी, दाल, चावल, सलाद, हरी सब्जी आदि सम्मिलित करना चाहिए। शाम को जूस लेना चाहिए और डिनर में हरी सब्जियां पालक, बथुआ, मेथी आदि को शामिल करना चाहिए।

बीरबल की पैनी दृष्टि

बादशाह अकबर ने दरबारियों के साथ मिलकर एक योजना बनाई कि देखें कि सच्चे दीन-दु:खियों की पहचान बीरबल को हो पाती है या नहीं। बादशाह ने अपने एक सैनिक को वेश बदलवाकर दीन-हीन अवस्था में बीरबल के पास भेजा कि अगर वह आर्थिक सहायता के रूप में बीरबल से कुछ ले आएगा, तो अकबर की ओर से उसे इनाम मिलेगा। एक दिन जब बीरबल पूजा-पाठ करके मंदिर से आ रहे थे तो भेष बदले हुए सैनिक ने बीरबल के सामने आकर कहा, हुजूर दीवान! मैं और मेरे आठ छोटे बच्चे हैं, जो आठ दिनों से भूखे हैं....भगवान का कहना है कि भूखों को खाना खिलाना बहुत पुण्य का कार्य है, मुझे आशा है कि आप मुझे कुछ दान देकर अवश्य ही पुण्य कमाएंगे।

बीरबल ने उस आदमी को सिर से पांव तक देखा और एक क्षण में ही पहचान लिया कि वह ऐसा नहीं है, जैसा वह दिखावा कर रहा है। बीरबल मन ही मन मुस्कराए और बिना कुछ बोले ही उस रास्ते पर चल पड़े, जहां से होकर एक नदी पार करनी पड़ती थी। वह व्यक्ति भी बीरबल के पीछे-पीछे चलता रहा। बीरबल ने नदी पार करने के लिए जूती उतारकर हाथ में ले ली। उस व्यक्ति ने भी अपने पैर की फटी पुरानी जूती हाथ में लेने का प्रयास किया। बीरबल नदी पार कर कंकरीले मार्ग आते ही दो-चार कदम चलने के बाद ही जूती पहन लेता। बीरबल यह बात भी गौर कर चुके थे कि नदी पार करते समय उसका पैर धुलने के कारण वह व्यक्ति और भी साफ-सुथरा, चिकना, मुलायम गोरी चमड़ी का दिखने लगा था, इसलिए वह मुलायम पैरों से कंकरीले मार्ग पर नहीं चल सकता था।

दीवानजी! दीन-दुखी की पुकार आपने सुनी नहीं? पीछे आ रहे व्यक्ति ने कहा। बीरबल बोले, जो मुझे पापी बनाए मैं उसकी पुकार कैसे सुन सकता हूं? क्या कहा? क्या आप मेरी सहायता करके पापी बन जाएंगे? हां, वह इसलिए कि शास्त्रों में लिखा है कि बच्चे का जन्म होने से पहले ही भगवान उसके भोजन का प्रबन्ध करते हुए उसकी मां के स्तनों में दूध दे देता है, उसके लिए भोजन की व्यवस्था भी कर देता है। यह भी कहा जाता है कि भगवान इंसान को भूखा उठाता है, पर भूखा सुलाता नहीं है। इन सब बातों के बाद भी तुम अपने आप को आठ दिन से भूखा कह रहे हो। इन सब स्थितियों को देखते हुए यही समझना चाहिए कि भगवान तुमसे रूष्ट हैं और वह तुम्हें और तुम्हारे परिवार को भूखा रखना चाहते हैं, लेकिन मैं उसका सेवक हूं, अगर मैं तुम्हारा पेट भर दूं तो ईश्वर मुझ पर रूष्ट होगा ही। मैं ईश्वर के विरुद्ध नहीं जा सकता, न बाबा ना! मैं तुम्हें भोजन नहीं करा सकता, क्योंकि यह सब कोई पापी ही कर सकता है। बीरबल का यह जवाब सुनकर वह चला गया। उसने इस बात की बादशाह और दरबारियों को सूचना दी। बादशाह अब यह समझ गए कि बीरबल ने उसकी चालाकी पकड़ ली है। अगले दिन बादशाह ने बीरबल से पूछा, बीरबल तुम्हारे धर्म-कर्म की बड़ी चर्चा है, पर तुमने कल एक भूखे को निराश ही लौटा दिया, क्यों? आलमपनाह! मैंने किसी भूखे को नहीं, बल्कि एक ढोंगी को लौटा दिया था और मैं यह बात भी जान गया हूं कि वह ढोंगी आपके कहने पर मुझे बेवकूफ बनाने आया था। अकबर ने कहा, बीरबल! तुमने कैसे जाना कि यह वाकई भूखा न होकर, ढोंगी है? उसके पैरों और पैरों की चप्पल देखकर। यह सच है कि उसने अच्छा भेष बनाया था, मगर उसके पैरों की चप्पल कीमती थी। बीरबल ने आगे कहा, माना कि चप्पल उसे भीख में मिल सकती थी, पर उसके कोमल, मुलायम पैर तो भीख में नहीं मिले थे, इसलिए कंकड़ की गड़न सहन न कर सके। इतना कहकर बीरबल ने बताया कि किस प्रकार उसने उस मनुष्य की परीक्षा लेकर जान लिया कि उसे नंगे पैर चलने की भी आदत नहीं, वह दरिद्र नहीं बल्कि किसी अच्छे कुल का खाता कमाता पुरुष है। बादशाह बोले, क्यों न हो, वह मेरा खास सैनिक है। फिर बहुत प्रसन्न होकर बोले, सचमुच बीरबल! माबदौलत तुमसे बहुत खुश हुए! तुम्हें धोखा देना आसान काम नहीं है। इसके बाद बादशाह के साथ साजिश में शामिल हुए सभी दरबारियों के चेहरे बुझ गए।

रंग बदलता गिरगिट

आप लोगों ने सुना होगा या देखा भी होगा कि गिरगिट रंग बदलता है। ब्राउन कलर से लाल रंग का हो जाता है तो कभी पीला तो कभी हरा भी दिखता है। आप लोगों के मन ये जिज्ञासा होती होगी कि यह कैसे होता है? आखिर क्यों रंग बदल लेता है गिरगिट? आइए जानते हैं इसी के बारे में।

गिरगिट को आप आसानी से देख सकते हैं। यह घरों के आस-पास या किसी पेड़ व झाड़ी के पास अक्सर देखने को मिल जाता है। दरअसल, गिरगिट की चमड़ी सेल से बनी होती है।

दुश्मन से बचाव

गिरगिट अपना रंग दुश्मनों से बचाव के लिए बदलता है, ताकि उसके दुश्मनों को भ्रम हो जाए और वह छुप जाए। जब गिरगिट सो रहा होता है, तब मेलनिन कण निचली परत में जमा होते हैं। जब गिरगिट गुस्से में होता है तो ये काले कण नलिकाओं के जरिए पूरी तरह उभर आते हैं और इसी वजह से गिरगिट गहरा भूरा दिखाई देता है। वैज्ञानिक के अनुसार इसकी चमड़ी का रंग आसपास के वातावरण के तापमान पर निर्भर करता है। अधिक गर्मी में हमारे चेहरे का भी रंग बदल जाता है। उस समय वह भी कालापन लिए होता है।

वैज्ञानिकों का दावा

ऑस्ट्रेलिया की मेलबर्न यूनिवर्सिटी के शोधकर्ता डेवी स्टुआर्ट फॉक्स ने स्मिथ्स ड्वार्फ नामक एक गिरगिट का अध्ययन करके रोचक जानकारी प्राप्त की है। उनके प्रयोगों के अनुसार गिरगिट अपना रंग यह देखकर बदलता है कि उसे किस जंतु से छिपना है। यह गिरगिट दक्षिण अफ्रीका में पाया जाता है। यह एक मिली सेकंड की अवधि में अपना रंग बदल सकता है। आमतौर पर इस गिरगिट के दो शिकारी है- एक
है

फिस्कल श्राइक नामक पक्षी और दूसरा है एक जहरीला सांप बूमस्लैंग।

ऐसे हुआ प्रयोग

अपने प्रयोग में स्टुआर्ट फॉक्स ने इस प्रजाति के 16 गिरगिट लिए। इन्हें
एक

पेड़ की टहनी पर बैठा दिया गया। इसके साथ ही इनके शिकारी जीवों फिस्कल श्राइक और बूमस्लैंग के बढ़िया मॉडल भी वहीं आसपास रख दिए गए। प्रयोग की शुरुआत में गिरगिटों के रंग व त्वचा के चमकीलेपन को रिकॉर्ड कर लिया गया। जब गिरगिटों ने शिकारी के पुतले को देख लिया तो फिर से यही प्रक्रिया दोहराई गई।

इस प्रयोग में यह देखा गया कि जब गिरगिट ने चिड़िया को देखकर रंग बदला था तो उसका रंग पृष्ठभूमि से कहीं ज्यादा मेल खाता था, जबकि उसने सांप था तो ऐसा नहीं हुआ था। इसी के साथ दोनों शिकारियों की दृष्टि क्षमता पर भी गौर किया गया। स्टुआर्ट फॉक्स ने जब दोनों शिकारियों के दृष्टि तंत्र के आधार पर देखा तो पाया कि सांप की नजर से देखें तो गिरगिट बेहतर छिपा दिखता है, जबकि वास्तव में गिरगिट ने अपना रंग पृष्ठभूमि के एकदम समान करने का प्रयास नहीं किया था। इसका मतलब है कि गिरगिट जानता है कि सांप की रंग देखने की क्षमता उतनी पैनी नहीं है, इसलिए सांप के सामने पड़ने पर वह रंग बदलने की उतनी कोशिश भी नहीं करता।

यूपी टी20 लीग का 14 अगस्त को लखनऊ में होगा आगाज

फाइनल छह सितंबर को कानपुर में

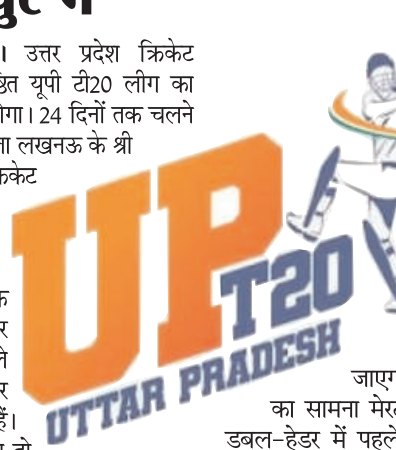

लखनऊ (एजेंसी/चिंगारी)। उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) की प्रतिष्ठित यूपी टी20 लीग का चौथा संस्करण 14 अगस्त से शुरू होगा। 24 दिनों तक चलने वाले इस टूर्नामेंट का उद्घाटन मुकाबला लखनऊ के श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में काशी रुद्राक्ष और मौजूदा चैंपियन मेरठ मेवरिक्स के बीच खेला जाएगा, जबकि फाइनल मुकाबला छह सितंबर को कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में होगा। इस बार लीग में कुल 34 मुकाबले खेले जाएंगे, जिनमें 13 डबल-हेडर और आठ सिंगल-हेडर मैच शामिल हैं। पहली बार प्रतियोगिता का आयोजन दो शहरों लखनऊ और कानपुर में किया जा रहा है। टूर्नामेंट के पहले चरण में लखनऊ के इकाना स्टेडियम में 13 दिनों के दौरान 22 मैच खेले जाएंगे। इसके बाद प्रतियोगिता का दूसरा चरण कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में स्थानांतरित होगा, जहां शेष 12 मुकाबलों के साथ नॉकआउट चरण और फाइनल का आयोजन किया जाएगा। नॉकआउट चरण के तहत तीन सितंबर को क्वालिफायर-1 और एलिमिनेटर, चार सितंबर को क्वालिफायर-2 तथा छह सितंबर को फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। प्रतियोगिता के शुरुआती मुकाबलों में 15 अगस्त को नोएडा किंग्स का सामना कानपुर सुपरस्टार्स से होगा, जबकि दूसरे मैच में लखनऊ फाल्कन्स और गौर गोरखपुर लायंस आमने-सामने होंगे। 16 अगस्त को काशी रुद्राक्ष की भिड़ंत कानपुर सुपरस्टार्स से और मेरठ मेवरिक्स का मुकाबला गौर गोरखपुर लायंस से होगा। 17 अगस्त को नोएडा किंग्स और लखनऊ फाल्कन्स आमने-सामने होंगे, जबकि 18 अगस्त को काशी रुद्राक्ष और गौर गोरखपुर लायंस के बीच मुकाबला खेला जाएगा। 19 अगस्त को लखनऊ फाल्कन्स का सामना मेरठ मेवरिक्स से होगा। 20 अगस्त के डबल-हेडर में पहले मैच में गौर गोरखपुर लायंस और नोएडा किंग्स, जबकि दूसरे मैच में कानपुर सुपरस्टार्स और काशी रुद्राक्ष आमने-सामने होंगे। 21 अगस्त को मेरठ मेवरिक्स का मुकाबला नोएडा किंग्स से तथा दूसरे मैच में लखनऊ फाल्कन्स और कानपुर सुपरस्टार्स के बीच टक्कर होगी। इसके बाद एक अन्य डबल-हेडर में काशी रुद्राक्ष और गौर गोरखपुर लायंस तथा मेरठ मेवरिक्स और कानपुर सुपरस्टार्स के बीच मुकाबले खेले जाएंगे।

उ.प्र. में पांच आईपीएस अधिकारियों के तबादले

रामपुर और ललितपुर को मिले नए कप्तान

लखनऊ (एजेंसी/चिंगारी)। उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रशासनिक फेरबदल करते हुए भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के पांच अधिकारियों के तबादले किए हैं।

गृह विभाग की ओर से जारी आदेश के मुताबिक सभी अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से नई तैनाती पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं। तबादला सूची के अनुसार अनिल कुमार सिंह (आईपीएस-2015) को पुलिस अधीक्षक, सुरक्षा मुख्यालय, लखनऊ से स्थानांतरित कर पुलिस अधीक्षक, रामपुर बनाया गया है। गोपाल कृष्ण चौधरी (आईपीएस-2016) को पुलिस उपायुक्त, पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के पद से हटाकर सेनानायक, 32वीं वाहिनी पीएसी, लखनऊ नियुक्त किया गया है। मोहम्मद मुस्ताक (आईपीएस-2016) को पुलिस अधीक्षक, ललितपुर से स्थानांतरित कर पुलिस उपायुक्त, पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी क्रम में सोमेंद्र मीना (आईपीएस-2017) को पुलिस अधीक्षक, रामपुर के पद से हटाकर पुलिस अधीक्षक, क्षेत्रीय अभिसूचना, आगरा नियुक्त किया गया है। इसके अलावा संजीव कुमार बाजपेई (आईपीएस-2018) को सेनानायक, 43वीं वाहिनी पीएसी, एटा से स्थानांतरित कर पुलिस अधीक्षक, ललितपुर बनाया गया है।

आज से 23 जुलाई के बीच यूपी में झमाझम बारिश के आसार

लखनऊ (एजेंसी/चिंगारी)। उत्तर प्रदेश में अगले छह दिनों के दौरान मानसून पूरी तरह सक्रिय रहने का अनुमान है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के क्षेत्रीय मौसम केंद्र, लखनऊ ने 18 से 23 जुलाई के बीच प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में व्यापक वर्षा तथा 19 से 22 जुलाई के दौरान कई जिलों में भारी से बहुत भारी वर्षा की चेतावनी जारी करते हुए ऑरेंज अलर्ट घोषित किया है। मौसम विभाग के अनुसार उत्तरी-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी पर बना सुस्पष्ट निम्न दबाव क्षेत्र पश्चिम बंगाल, झारखंड और उत्तरी ओडिशा की ओर बढ़ते हुए उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ रहा है। इसके प्रभाव से मानसूनी ट्रफ दक्षिण की ओर खिसक रही है, जिससे उत्तर प्रदेश में मानसून की गतिविधियां तेज होंगी और वर्षा की तीव्रता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि प्रदेश में अगले तीन से चार दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में 4 से 6 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आने की संभावना है।

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग से किसानों की आय बढ़ेगी, युवाओं को मिलेंगे रोजगार- मौर्य

लखनऊ (चिंगारी)। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने वाला महत्वपूर्ण क्षेत्र है। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र किसानों की आय बढ़ाने, कृषि उत्पादों का मूल्य संवर्धन करने और युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर सृजित करने में अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग प्रभावी माध्यम सिद्ध होगा। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार औद्योगिक विकास और हरित ऊर्जा को समान प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ा रही है। सौर ऊर्जा आधारित औद्योगिक मॉडल भविष्य की आवश्यकता है, जो उद्योगों की लागत कम करने के साथ उन्हें आत्मनिर्भर और प्रतिस्पर्धी बनाने में भी सहायक होगा। उन्होंने उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 के तहत उपलब्ध प्रोत्साहनों, अनुदानों और निवेश सुविधाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि अधिक से अधिक उद्यमी प्रदेश में निवेश करें और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति मिल सके। इसी क्रम में अपर मुख्य सचिव उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण बी.एल. मीणा की अध्यक्षता में खाद्य प्रसंस्करण निदेशालय में गठित मूल्यांकन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्राप्त 11 निवेश प्रस्तावों की विस्तृत समीक्षा की गई, जिनमें से 9 प्रस्तावों को निर्धारित शर्तों के साथ स्वीकृति के लिए राज्य स्तरीय समिति के समक्ष भेजने की संस्तुति की गई। इन प्रस्तावों में लगभग 70 करोड़ रुपये के निवेश का मार्ग प्रशस्त होगा। समिति द्वारा बरेली के दो, गोरखपुर के दो तथा कानपुर नगर, ललितपुर, बदायूं, लखनऊ और हापुड़ के एक-एक प्रस्ताव को संस्तुत किया गया।

मिर्गी दौरे
(मिर्गी के लक्षण)
1. अचानक बेहोश हो जाना
2. हाथ-पैर ऐंठ जाना
3. शरीर का अकड़ना
4. मुंह से झाग निकलना
5. मुट्ठियां कसना, आंखें पथराना
डा. अय्यूब हसन 'मार्शल'
M.B.B.S., G.M.C.S. (U.K.), M.I.P.S., M.I.E.A., F.I.P.S. (Fellow of Indian Psychiatry Society)
डा. अर्सलान अय्यूब
M.B.B.S. (TU), M.I.P.S., Member of Indian Psychiatry Association
(मानसिक रोग एवं उनके लक्षण)
1. डिप्रेशन, उदासी घबराहट (DEPRESSION)
2. पागलपन, गालियाँ देना, कानों में आवाजें आना, मारपीट, तोड़-फोड़ करना (SCHIZOPHRENIA)
3. शक की बीमारी, बार-बार हाथ धोना, ताले चेक करना (O.C.D)
4. नशा मुक्ति (शराब, भांग, सिगरेट) (DE ADDICTION)
5. बच्चों का मन्द बुद्धि होना, चिड़चिड़ा होना (ADHD), (AUTISM)
6. सरदर्द, सर का भारी होना, आधे सर में दर्द होना (MIGRAINE)
7. सेक्स समस्याएं (E.D) निसंतान
45 वर्ष से आपकी सेवा में
मार्शल मिर्गी एवं मानसिक चिकित्सा केन्द्र
पता-निकट चन्द्रा टाकीज़ सेन्ट्रल बैंक के सामने, मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) मो.- 9997892556, 9997411423

खुल गया! खुल गया!
श्री लाइट
सजावटी फैंसी लाइटें, लक्जरी झूमर, फैंसी वॉल लाइट्स, कोव लाइट, लाइट्स, लैम्प आदि की बेशुमार वैरायटियां उपलब्ध हैं।
पंखे ही पंखे कूलर ही कूलर
बढ़िया क्वालिटी बेहतरीन रेट
Fybros Fans, Havells Fans, Orient Fans
सिंघल इलेक्ट्रीक एजेन्सीज
नई बस्ती, निकट गुरुद्वारा, बिजनौर
मो. 9897024836, 8800092476

Gents Specialist
Suit | Sherwani | Pant Shirt | Fancy Coat | Ladies Coat
CLASSIC TAILORS 9927060150
CLASSIC SHOES
CLASSIC Shoes
M: 9897041426
NIKE | PUMA | SKECHERS | WOODLAND | RED CHIEF | Lee Cooper | Campus
Add.: Chahshireen Road, Bijnor

Kajaria
Kajaria Exclusive Showroom
बिल्डर्स व थोक खरीदारों को विशेष छूट
Tiles & Sanitaryware का Exclusive Showroom
DR. FIXIT Waterproofing Expert
SEELAN BLOCK सीलन ब्लॉक
TILE O GRIP
8445517265
8791919960
सेंट जौसफ स्कूल के सामने तीमरपुर, रावली रोड, बिजनौर

M D COLLEGE BIJNOR
A CO-EDUCATIONAL INSTITUTION
APPROVED & AFFILIATED TO CENTRAL & STATE GOVERNMENT APEX BODY
Courses Offered
Professional Courses: D. Pharma, B.Sc. (Microbiology), BCA, B.Com. (Computer), BBA, B.A. LL.B., LL.B.
Traditional Courses: B.A., B.Sc. (ZBC), B.Com.
Eligibility: Eligibility to all the courses is as per the directives of the U.P. Government.
College Of Pharmacy, Management, Science, Commerce, Law & Arts
Admission Open
Head Office: Near Chamunda Mandir, Jatan, Bijnor-246701 (U.P.)
01342-262272941221 7505/506/507/508
www.pharmacymdcollege.com, www.srct-mdbijnor.com, pharmacymdcollege@gmail.com, lawmdcollege@gmail.com, bjosrct@gmail.com, bijnormdc@gmail.com

बिना ऑप्रेशन/बिना चीर-फाड़
बवासीर PILES | भगन्दर FISTULA | फिशर FISSURE
इस तकनीक द्वारा यह बीमारी भविष्य में कभी नहीं होती
डॉ. सुधांशु चौधरी
MS (Anorectal Surgeon)
(गुदा रोग विशेषज्ञ)
आने से पहले कॉल करें-
प्रत्येक बृहस्पतिवार बिजनौर में एवं प्रत्येक शुक्रवार बास्टा (चांदपुर) में मिलें
Mob. 7302127966, 9411226422, 9871884104
सुश्रुत कोलोरेक्टल सेंटर
पता - निकट मित्तल पेट्रोल पम्प, बैराज रोड, बिजनौर
पता - श्री साईं अस्पताल बस स्टैण्ड चौराहा बास्टा तह.-चान्दपुर, जिला-बिजनौर

बिजनौर में खुल गया है
ATHER
कम डाउन पेमेंट कम ब्याज दर
आज ही लायें एथर स्कूटर
ATHER
इलेक्ट्रिक स्कूटर के बादशाह
एथर का शोरूम
आवश्यकता है- धामपुर में मैनेजर एवं मैकेनिक की (केवल धामपुर वाले को वरीयता)
मो. 8192801901
Dhruvika Motors
Ankur Heights Opp- IOC Petrol Pump Near Axis Bank, Kiratpur Road Bijnor 246701 Ph- 9240083911